दैनिक

कारखाने का सफर

मुकाबले के चक्कर में आदमी का जीवन एक कारखाने के समान हो गया है, आदमी का सबसे विश्वसनीय अखबार

भारत में बैलेस्टिक मिसाइलों का... पेज 5

द्यूत क्रीड़ा के दोष..... पेज 7

वर्ष 6, अंक 332 | भोपाल, गुरुवार 14 मई, 2026 | ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष, द्वादशी 2083 | मूल्य 2 रुपए

रूस का यूक्रेन पर प्रचंड प्रहार! 800 ड्रोनों से बरसायी आग, लोग जिंदा जले

दैनिक कारखाने का सफर। एजेंसी नई दिल्ली

एक तरफ जहां वैश्विक स्तर पर रूस-यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने के लिए शांति वार्ताओं की चर्चाएं तेज हो रही हैं, वहीं दूसरी तरफ युद्ध के मैदान में रूस ने अब तक का सबसे भीषण हमला बोल दिया है। बुधवार को रूस ने यूक्रेन के विभिन्न शहरों पर 800 ड्रोन दागे, जिसमें 6 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई और दर्जनों लोग घायल हुए हैं। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने इस हमले को पिछले 4 वर्षों में मॉस्को द्वारा किया गया "सबसे लंबा और बड़ा हमला" करार दिया है। जेलेंस्की ने टेलीग्राम मैसेजिंग ऐप पर बताया कि यह हमला सुबह के समय शुरू हुआ और राजधानी कीव, पोलैंड के पास पश्चिमी शहर ल्वीव, और काला सागर पर स्थित बंदरगाह शहर ओडेसा, तथा अन्य आबादी वाले इलाकों में घंटों तक जारी रहा।

जैसे-जैसे बमबारी दोपहर तक खिंचती गई, जेलेंस्की ने कहा, "हमारे सैनिक यूक्रेन की रक्षा कर रहे हैं, लेकिन रूस का साफ़ मकसद हमारी हवाई सुरक्षा प्रणाली पर इतना ज़्यादा दबाव डालना है कि वह उसे संभाल न पाए।" उन्होंने चेतावनी दी कि ड्रोन हमलों की इस बौछार के बाद क्रूज़ और बैलिस्टिक मिसाइल से भी हमला हो सकता है।

उन्होंने सोशल मीडिया पर कहा कि यह "यूक्रेन पर रूस द्वारा किए गए सबसे लंबे और बड़े हमलों में से एक था।" इस हमले से पड़ोसी देश भी सहम गए। हंगरी के प्रधानमंत्री पीटर मैग्यार ने कहा कि उनकी नई सरकार ने हंगरी की सीमा के पास हुए ड्रोन हमले को लेकर रूसी राजदूत को तलब किया है; यह कदम उनके पूर्ववर्ती विक्टर ओर्बन के मॉस्को के साथ दोस्ताना संबंधों की तुलना में एक बड़ा बदलाव माना जा रहा है। मैग्यार ने पत्रकारों से कहा, "हंगरी की सरकार ट्रांसकारपैथिया पर रूस के हमले की कड़ी निंदा करती है।" उन्होंने आगे कहा कि विदेश मंत्री अनीता ओर्बन गुरुवार सुबह रूसी राजदूत से बात करेंगी।

मैग्यार ने बताया कि विदेश मंत्री रूसी राजदूत से पूछेंगी कि "रूस और व्लादिमीर पुतिन आखिरकार इस खूनी युद्ध को कब खत्म करने की योजना बना रहे हैं।" मैग्यार की इन टिप्पणियों के बाद जेलेंस्की ने 'X' (ट्विटर) पर लिखा, "आपकी सहानुभूति और मज़बूत रुख के लिए आपका धन्यवाद!" शहर के अधिकारियों ने बताया कि कीव के ओबोलोन्स्की ज़िले में एक खुले इलाके में ड्रोन का मलबा गिरा, जिससे किसी को कोई चोट नहीं आई; उस समय राजधानी के ऊपर हवाई सुरक्षा प्रणालियाँ रूसी ड्रोनों का मुकाबला कर रही थीं। मेयर विटाली क्लित्स्को ने बताया कि आपातकालीन सेवाएँ घटनास्थल पर पहुँच गई थीं। बुधवार को इससे पहले पूरे शहर में धमाकों की आवाज़ें सुनी गई थीं। क्षेत्रीय सैन्य प्रशासन के प्रमुख ओलेक्जेंडर कोवल के अनुसार, कीव के पश्चिम में स्थित रिव्ने क्षेत्र में हुए एक ड्रोन हमले में तीन लोगों की मौत हो गई। मॉस्को के हमले लगातार जारी हैं, भले ही यूक्रेन अपनी हालिया सैन्य सफलताओं से उत्साहित है, और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने - बिना कोई सबूत दिए - कहा है कि युद्ध अब खत्म होने के करीब हो सकता है। मंगलवार को ज़ेलेंस्की ने बताया कि यूक्रेन के 14 इलाकों पर हमले हुए, जिसके बाद रात भर यूक्रेन के रिहायशी, ऊर्जा और रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर पर हमले जारी रहे। ज़ेलेंस्की ने कहा, "यूक्रेन का समर्थन करना और रूस के इस युद्ध पर चुप न रहना ज़रूरी है। जब भी युद्ध खबरों की सुर्खियों से हटता है, तो इससे रूस को और भी ज़्यादा क्रूर बनने का बढ़ावा मिलता है।" ज़ेलेंस्की का इशारा शायद इस बात की ओर था कि दुनिया का ध्यान इस समय ईरान युद्ध पर केंद्रित है।

युद्ध संकट पर आरबीआई गवर्नर का अलर्ट, लंबा खिंचा तो बढ़ेंगे पेट्रोल-डीजल के दाम!

दैनिक कारखाने का सफर। एजेंसी नई दिल्ली

भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा है कि अगर पश्चिम एशिया संकट लंबे समय तक जारी रहता है, तो सरकार को पेट्रोल और डीजल की कीमतें बढ़ानी पड़ सकती हैं। मल्होत्रा ने स्विट्जरलैंड में मंगलवार को एक सम्मेलन में कहा कि सरकार वित्तीय मामलों में काफी सजग रही है और राजकोषीय मजबूती के रास्ते पर आगे बढ़ रही है। पश्चिम एशिया संघर्ष और होर्मुज जलडमरूमध्य की नाकाबंदी ने तेल और गैस की आपूर्ति को बाधित कर दिया है। इससे ऊर्जा की कीमतें बढ़ गई हैं। उन्होंने कहा कि भारत ऊर्जा और उर्वरकों के आयात पर अत्यधिक निर्भर है और मौजूदा व्यवधानों का असर भारत पर पड़ना शुरू हो गया है। आरबीआई गवर्नर ने संकट का जिक्र करते हुए कहा कि अगर यह लंबे समय तक जारी रहता है तो ''सरकार वास्तव में इन मूल्य वृद्धि का कुछ हिस्सा उपभोक्ताओं पर डाल सकती है। यह सिर्फ समय की बात है।''

सरकार ने 28 फरवरी को शुरू हुए पश्चिम एशिया संघर्ष के बावजूद पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतों में वृद्धि नहीं की है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पश्चिम एशिया संकट के मद्देनजर विदेशी मुद्रा बचाने के लिए ईंधन के विवेकपूर्ण उपयोग, सोने की खरीद और विदेश यात्रा को स्थगित करने जैसे उपायों का आह्वान किया है। रुपये में भारी गिरावट आई है और वर्तमान में यह अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95 के नीचे पहुंच गया है।

मी लॉर्ड! आपने जो बोला वो आदेश में तो नहीं लिखा... सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ताओं पर लगाया जुर्माना

दैनिक कारखाने का सफर। एजेंसी नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कच्छ के बहुचर्चित गोचर (चरागाह) भूमि विवाद में एक अहम फैसला सुनाते हुए याचिकाकर्ताओं को कड़ी फटकार लगाई है। याचिकाकर्ताओं का दावा था कि खुली अदालत में जजों द्वारा बोला गया मौखिक आदेश और बाद में जारी किए गए अंतिम लिखित आदेश में बड़ा अंतर है। याचिकाकर्ताओं का आरोप था कि यह बदलाव अडानी पोर्ट्स को फायदा पहुंचाने वाला है। अदालत ने इस दावे को सिरे से खारिज करते हुए इसे 'कानूनी प्रक्रिया का घोर दुरुपयोग' और 'अदालत की गरिमा को ठेस पहुंचाने' का प्रयास बताया। साथ ही, याचिकाकर्ताओं पर 2,000-2,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया।

बार एंड बेंच की रिपोर्ट के मुताबिक, जस्टिस जेके माहेश्वरी और जस्टिस एएस चंदुरकर की पीठ ने 27 जनवरी को इस मामले (फकीर मोहम्मद सुलेमान समेजा बनाम अडानी पोर्ट्स) में सुनवाई की थी। याचिकाकर्ताओं का कहना था कि खुली अदालत में आदेश लिखवाते समय जज ने विवादित जमीन पर 'यथास्थिति' बनाए रखने का निर्देश दिया था। साथ ही, गुजरात हाईकोर्ट को इस मामले से जुड़ी जनहित याचिका (PIL) पर स्वतंत्र रूप से सुनवाई जारी रखने की छूट दी थी। लेकिन, 12 फरवरी को अपलोड किए गए अंतिम (हस्ताक्षरित) आदेश में 'यथास्थिति' का जिक्र नहीं था। इसके बजाय हाईकोर्ट की पीआईएल का पूरी तरह से निपटारा कर दिया गया और गुजरात सरकार को सभी पक्षों को सुनने के बाद नया आदेश जारी करने की अनुमति दे दी गई।

जस्टिस माहेश्वरी की अगुवाई वाली पीठ ने याचिकाकर्ताओं की इन दलीलों को नामंजूर करते हुए स्पष्ट किया कि अदालत का साइन किया हुआ आदेश ही अंतिम होता है। कोर्ट ने अपने फैसले में कहाः हस्ताक्षरित आदेश ही अदालत की 'अंतिम और अपरिवर्तनीय राय' है। अदालत में लिखवाए जाने के बाद कई दौर के सुधार के बाद ही इसे अंतिम रूप दिया जाता है। सुनवाई के दौरान कोर्ट मास्टर को जो आदेश लिखवाया जाता है, वह केवल एक 'रफ ड्राफ्ट' या 'ढांचा' होता है। चेंबर में साइन करने से पहले इसे सुधारा और बेहतर किया जाता है।

पीठ ने यूट्यूब वीडियो, मीडिया रिपोर्ट्स और स्टॉक एक्सचेंज डिस्क्लोजर का हवाला देने पर भी आपत्ति जताई। कोर्ट ने कहा कि याचिकाकर्ता एक अधूरे यूट्यूब वीडियो पर भरोसा कर रहे हैं। लिखित आदेश में कोई 'बड़ा बदलाव' नहीं किया गया है, यह केवल डिक्टेशन को सुधारने की प्रक्रिया थी। अदालत के कामकाज की 'व्यावहारिक वास्तविकताओं' का जिक्र करते हुए बेंच ने बताया कि जिस दिन इस अपील पर सुनवाई हुई थी, उस दिन उनके सामने 71 मामले लगे हुए थे। संवैधानिक अदालतों पर काम का भारी बोझ होता है। जज अदालत के समय का सही इस्तेमाल करने के लिए ओपन कोर्ट में एक छोटा ड्राफ्ट आदेश लिखवाते हैं और बाद में चेंबर में उसे बेहतर करके साइन करते हैं। इससे समय की बचत होती है और एक दिन में ज्यादा मामलों की सुनवाई की जा सकती है।

बीजिंग पहुंचने पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का जोरदार स्वागत

जिनपिंग ने बढ़ाया दोस्ती का साथ, 'चीन-अमेरिका प्रतिद्वंद्वी नहीं, सहयोगी बनें'

दैनिक कारखाने का सफर। एजेंसी बीजिंग

चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने अमेरिकी प्रेसिडेंट डोनाल्ड ट्रंप के साथ बातचीत में कहा है कि अमेरिका और चीन को एक-दूसरे का विरोधी होने के बजाय साझेदार होना चाहिए। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के एक-दूसरे की सफलता में योगदान देना चाहिए और मिलकर तरक्की का रास्ता चुनना चाहिए। जिनपिंग ने वैश्विक चुनौतियों पर अमेरिका-चीन के मिलकर काम करने पर जोर दिया है। जिनपिंग का यह बयान ऐसे समय आया है, जब वार्ता के लिए डोनाल्ड ट्रंप बीजिंग में हैं।

शी जिनपिंग ने अमेरिका और चीन में दोस्ती की बात कही है तो डोनाल्ड ट्रंप ने भी उनकी तारीफ की है। ट्रंप ने बीजिंग में शी को महान नेता बताते हुए कहा कि आपका दोस्त होना मेरे लिए गर्व की बात है। ट्रंप ने चीन और अमेरिका के बीच के रिश्ते पहले से बेहतर होने की उम्मीद जताई। बीजिंग में हुए शानदार स्वागतसे भी ट्रंप खुश दिखे हैं।

शी जिनपिंग बोले- दुनिया एक नए मोड़ पर है। चीन और अमेरिका को संबंधों का नया मॉडल बनाना होगा। सवाल यह है करि क्या हम वैश्विक चुनौतियों का मिलकर सामना कर दुनिया को ज्यादा स्थिरता दे सकते हैं?

शी जिनपिंग ने गुरुवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से कहा कि चीन और अमेरिका की सफलता को एक-दूसरे के लिए एक अवसर के तौर पर देखा जाना चाहिए।

चीन-अमेरिका के स्थिर संबंध दुनिया के लिए फायदेमंद हैं। शी ने कहा कि दोनों देशों को "साझेदार के तौर पर काम करना चाहिए। जिनपिंग ने कहा कि दोनों देशों की व्यापारिक टीमों ने कुल मिलाकर संतुलित और सकारात्मक नतीजे हासिल किए हैं। चीनी राष्ट्रपति ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ अपनी मुलाकात के दौरान कहा कि व्यापार युद्ध में कोई विजेता नहीं होता है। इसे हार और जीत की तरह से नहीं देखना चाहिए। शी जिनपिंग ने कहा- अमेरिका और चीन को एक-दूसरे का विरोधी होने के बजाय साझेदार होना चाहिए। दोनों मुल्कों कोएक-दूसरे की सफलता में योगदान देना चाहिए और मिलकर समृद्ध होना चाहिए। हमें वैश्विक चुनौतियों से लड़ने पर ध्यान देना होगा।

चीन पहुंचे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने शुरुआती संबोधन में शी जिनपिंग से मुलाकात को सम्मान की बात बताया। डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि हमारे संबंध अच्छे रहे हैं। जब भी कोई मुश्किल आई तो हमने उसे मिलकर सुलझाया। मैं जिनपिंग को फोन करता था और वह मुझे फोन करते थे। हमने परेशानियों पर मिलकर काम किया है।

डोनाल्ड ट्रंप ने आगे कहा कि मैं हर किसी से कहता हूं कि आप (जिनपिंग) एक महान नेता हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि चीन में सबसे बेहतरीन कारोबारी नेताओं को अपने साथ लेकर आए हैं। मैं कह सकता हूं कि आपके साथ होना सम्मान की बात है और आपका दोस्त होना भी सम्मान की बात है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के चीन पहुंचने पर उनका जोरदार स्वागत हुआ है। चीन के ग्रेट हॉल में गुरुवार को राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने राष्ट्रपति ट्रंप का स्वागत किया। अमेरिकी राष्ट्रपति के स्वागत के लिए भव्य समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें सैनिकों ने कोरियोग्राफ्ड मिलिट्री शो का प्रदर्शन किया।

ग्रेट हॉल ऑफ पीपुल में ही अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप और प्रेसिडेंट जिनपिंग अपने डेलिगेशन के साथ द्विपक्षीय बैठक कर रहे हैं। इससे पहले ट्रंप और जिनपिंग आखिरी बार अक्टूबर में दक्षिण कोरिया में एक एपीईसी समिट के दौरान मिले थे। वहीं चीन दौरे की बात की जाए तो अमेरिका राष्ट्रपति कई साल बाद बीजिंग गए हैं।

इजराइल और यूएई के बीच बंद कमरे में हुई सीक्रेट डील!

दैनिक कारखाने का सफर। एजेंसी नई दिल्ली

मध्य पूर्व (West Asia) की राजनीति में उस वक्त एक नया मोड़ आ गया जब इज़राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के कार्यालय ने दावा किया कि युद्ध के चरम के दौरान उन्होंने संयुक्त अरब अमीरात (UAE) की एक अत्यंत गोपनीय यात्रा की थी। हालांकि, अबू धाबी ने इस दावे को सिरे से खारिज करते हुए इसे "पूरी तरह बेबुनियाद" करार दिया है। बुधवार को प्रधानमंत्री नेतन्याहू के दफ़्तर द्वारा जारी एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि 26 मार्च को, जब क्षेत्र में ईरान के साथ संघर्ष (ऑपरेशन रोरिंग लायन) अपने चरम पर था, नेतन्याहू ने गुप्त रूप से अमीराती शहर अल ऐन का दौरा किया।

X पर जारी एक बयान में, नेतन्याहू के दफ़्तर ने कहा कि इज़राइली नेता ने 26 मार्च को, जब पश्चिम एशिया में युद्ध अपने चरम पर था, अमीराती शहर अल ऐन में शेख मोहम्मद बिन ज़ायेद (जिन्हें आमतौर पर MBZ के नाम से जाना जाता है) से मुलाक़ात की थी।

इज़राइली बयान के अनुसार, यह बातचीत कई घंटों तक चली और खाड़ी क्षेत्र में बढ़ते तनाव के बीच इज़राइल और UAE के संबंधों में एक "ऐतिहासिक सफलता" साबित हुई। बयान में कहा गया कि चर्चा का मुख्य विषय युद्ध के दौरान क्षेत्रीय सुरक्षा सहयोग और रणनीतिक तालमेल था। नेतन्याहू के दफ़्तर ने कहा, "ऑपरेशन रोरिंग लायन के दौरान, प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने गुप्त रूप से संयुक्त अरब अमीरात का दौरा किया, जहाँ उन्होंने UAE के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन ज़ायेद से मुलाक़ात की। इस दौरे से इज़राइल और UAE के संबंधों में एक ऐतिहासिक सफलता मिली है।"

इस दावे पर UAE के विदेश मंत्रालय ने तुरंत पलटवार किया। मंत्रालय ने एक आधिकारिक बयान जारी कर उन रिपोर्टों को खारिज कर दिया जिनमें कहा गया था कि नेतन्याहू ने देश का दौरा किया था या UAE में किसी इज़राइली सैन्य प्रतिनिधिमंडल का स्वागत किया गया था। मंत्रालय ने कहा, "संयुक्त अरब अमीरात उन रिपोर्टों को खारिज करता है जिनमें इज़राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के UAE के कथित दौरे या देश में किसी इज़राइली सैन्य प्रतिनिधिमंडल के स्वागत की बात कही गई है।" UAE ने इस बात पर भी ज़ोर दिया कि इज़राइल के साथ उसके संबंध 2020 में हस्ताक्षरित 'अब्राहम समझौते' के तहत खुले तौर पर संचालित होते हैं—जिसने दोनों देशों के संबंधों को सामान्य बनाया था—न कि किसी गुप्त समझौते के ज़रिए। बयान में कहा गया, "बिना किसी घोषणा के किए गए दौरों या गुप्त समझौतों के बारे में किए गए कोई भी दावे पूरी तरह से बेबुनियाद हैं, जब तक कि UAE के संबंधित अधिकारियों द्वारा उनकी आधिकारिक घोषणा न की जाए।" ये पूरी तरह से विरोधाभासी बयान ऐसे समय में सामने आए हैं, जब ईरान के साथ टकराव के दौरान इज़राइल और UAE के बीच बढ़ते सुरक्षा सहयोग की खबरें आ रही हैं। इस टकराव के दौरान पूरे क्षेत्र में मिसाइल और ड्रोन हमले देखने को मिले थे।

समाचार एजेंसी रॉयटर्स के अनुसार—जिसने इस मामले से परिचित एक सूत्र का हवाला दिया है—मोसाद के प्रमुख डेडी बारनिया ने संघर्ष के दौरान कम से कम दो बार UAE का दौरा किया था, ताकि दोनों देशों के बीच सैन्य मामलों में तालमेल बिठाया जा सके। 'द वॉल स्ट्रीट जर्नल' ने भी इससे पहले बारनिया के इन दौरों के बारे में रिपोर्ट प्रकाशित की थी। इस बीच, इज़रायल में अमेरिकी राजदूत माइक हकाबी ने इस हफ़्ते कहा कि इज़रायल ने ईरान के साथ युद्ध के दौरान, अमीरात के अनुरोध पर, संयुक्त अरब अमीरात (UAE) में सैन्य कर्मियों के साथ एक 'आयरन डोम' बैटरी तैनात की थी। यह इज़रायल की प्रमुख हवाई रक्षा प्रणाली की पहली विदेशी तैनाती थी। यह तैनाती संघर्ष के शुरुआती चरण में, UAE के राष्ट्रपति और नेतन्याहू के बीच हुई बातचीत के बाद की गई थी। अमेरिका-इज़रायल की सैन्य कार्रवाई के बाद, ईरान ने UAE सहित कई खाड़ी देशों पर जवाबी हमले किए थे। रिपोर्टों से पता चला कि कुछ हमलों में इस क्षेत्र के नागरिक बुनियादी ढांचे और ऊर्जा सुविधाओं को निशाना बनाया गया था।

हालांकि, 2020 में 'अब्राहम समझौते' के ज़रिए संबंधों के सामान्य होने के बाद से, UAE और इज़रायल ने हाल के वर्षों में आर्थिक और सुरक्षा सहयोग का विस्तार किया है, लेकिन अबू धाबी ने इस क्षेत्र में इज़रायल के सैन्य अभियानों के कुछ पहलुओं से खुद को सार्वजनिक रूप से अलग रखने की भी कोशिश की है - खासकर गाज़ा युद्ध और ईरान के साथ व्यापक टकराव को लेकर क्षेत्र में बढ़े तनाव और घरेलू संवेदनशीलता के बीच।

दैनिक कारखाने का सफर अखबार का संपादकीय कार्यालय

गोबिंद टॉवर, क्वालिटी रेस्टोरेंट के पास, एसबी स्टूडियों के ऊपर पिपलानी पेट्रोल पंप के पास, सोनागिरी चौराहा रायसेन रोड भेल भोपाल। मोबाइल नंबरः 9826035849, 9425006706

गतांक से आगे : लोक कल्याण हेतु दादाजी का अवतरण

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

परम पूज्य सद्गुरु श्री दादाजी गुरुदेव के जीवन से जुड़ी अनेक दिव्य एवं प्रेरणादायी घटनाएँ भक्तों के हृदय में अटूट श्रद्धा और विश्वास का संचार करती हैं। उनके श्रीचरणों में आने वाला प्रत्येक व्यक्ति किसी न किसी रूप में आध्यात्मिक अनुभूति, आत्मबल और ईश्वरीय कृपा का अनुभव करता था। दादाजी गुरुदेव केवल एक संत नहीं, बल्कि लोककल्याण के लिए अवतरित दिव्य चेतना थे, जिनकी कृपा से असंभव प्रतीत होने वाले कार्य भी सहज रूप से पूर्ण हो जाते थे। शिवाजी नगर साढ़े छः नंबर क्षेत्र में दादाजी गुरुदेव के सानिध्य में अनेक चमत्कारिक घटनाएँ घटित हुईं। इन प्रसंगों ने सामान्य जनमानस के साथ-साथ देश-विदेश से आने वाले भक्तों और प्रतिष्ठित व्यक्तियों को भी गहराई से प्रभावित किया। दादाजी के श्रीमुख से निकला प्रत्येक वचन सत्य सिद्ध होता था। उनके आशीर्वाद में अद्भुत आध्यात्मिक शक्ति विद्यमान थी। ऐसा ही एक प्रेरणादायी प्रसंग जबलपुर निवासी हरेराम बाबा के पुत्र से जुड़ा हुआ है, जो हॉकी का प्रतिभाशाली खिलाड़ी था और गोलकीपर के रूप में खेलता था। वह राज्य स्तरीय टीम में चयन पाने के लिए निरंतर परिश्रम कर रहा था, किन्तु एक बार उसका चयन राज्य स्तरीय टीम में नहीं हो पाया। इस घटना से वह और उसका परिवार अत्यंत निराश हो गया।

हरेराम बाबा अत्यंत व्यथित होकर दादाजी गुरुदेव के श्रीचरणों में पहुँचे और विनम्र भाव से निवेदन किया कि उनके पुत्र का चयन राज्य स्तरीय हॉकी टीम में नहीं हुआ है। दादाजी ने सहज मुस्कान के साथ कहा यदि राज्य स्तरीय टीम में चयन नहीं हुआ, तो उसे राष्ट्रीय स्तर पर खेला देंगे। दादाजी के इन दिव्य वचनों को सुनकर हरेराम बाबा आश्चर्यचकित रह गए। उन्होंने विनम्रता से कहा कि जब राज्य स्तरीय टीम में ही चयन नहीं हुआ,

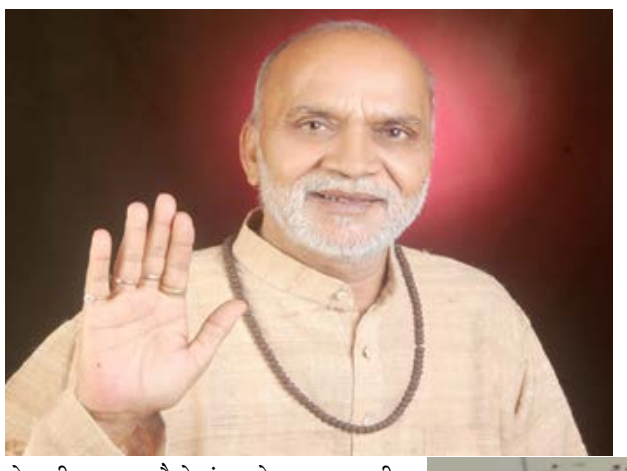

तो राष्ट्रीय स्तर पर कैसे संभव होगा। तब दादाजी ने अत्यंत आत्मविश्वास और करुणा से कहा "वह अवश्य खेलेगा।" समय बीतने के साथ दादाजी गुरुदेव के वचन अक्षरशः सत्य सिद्ध हुए। दादाजी की कृपा से उस खिलाड़ी का चयन सीधे राष्ट्रीय स्तर की हॉकी टीम में हो गया। यह घटना परिवार ही नहीं, बल्कि सभी श्रद्धालुओं के लिए आश्चर्य और आस्था का अद्भुत उदाहरण बन गई। जिस खिलाड़ी का नाम राज्य स्तरीय सूची में भी नहीं आया था, वह राष्ट्रीय स्तर पर देश का प्रतिनिधित्व करने पहुँचा।

राष्ट्रीय प्रतियोगिता के दौरान प्रारंभिक मैचों में विरोधी टीम ने 2 गोल कर दिए, जिससे खिलाड़ी निराश हो गया। बाद में हरेराम बाबा ने दादाजी से इस विषय में निवेदन किया कि उनका पुत्र गोल नहीं रोक पाया। तब दादाजी ने अत्यंत सरल किंतु गूढ़ भाव से कहा

"तुमने उसे खेलने के लिए कहा था, विजय दिलाने के लिए नहीं। हमने उसे राष्ट्रीय स्तर पर खेला दिया, जैसा तुमने निवेदन किया था।"

दादाजी गुरुदेव के इन वचनों ने हरेराम बाबा को भीतर तक भावविभोर कर दिया। उन्हें अनुभव हुआ कि दादाजी की कृपा और संकल्प शक्ति के सामने सांसारिक सीमाएँ कोई महत्व नहीं रखतीं। यह प्रसंग केवल एक खेल प्रतियोगिता की घटना नहीं, बल्कि सद्गुरु की दिव्य शक्ति, कृपा और भक्तों के प्रति उनके असीम प्रेम का सजीव प्रमाण है। दादाजी गुरुदेव अपने भक्तों को यह संदेश देते थे कि सच्ची श्रद्धा, विश्वास, भक्ति और समर्पण से जीवन की कठिन से कठिन बाधाएँ भी दूर हो सकती हैं। सद्गुरु की कृपा जिस साधक पर होती है, उसके जीवन में नई ऊर्जा, आत्मविश्वास और सफलता का मार्ग स्वयं खुलने लगता है।

दादाजी गुरुदेव की दिव्य कृपा समस्त भक्तों पर सदैव बनी रहे।

जय श्री दादाजी गुरुदेव

सीबीएसई 12वीं रिजल्ट- सरकारी स्कूलों का दबदबा, छात्राओं ने मारी बाजी

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (CBSE) 12वीं परीक्षा 2026 के नतीजों ने मध्य प्रदेश के स्कूल शिक्षा की वास्तविक तस्वीर सामने ला दी है। जहां सरकारी मॉडल पर संचालित जवाहर नवोदय विद्यालय (JNV) और केंद्रीय विद्यालय (KV) ने शानदार परिणाम देकर बेहतर शैक्षणिक व्यवस्था की ताकत दिखाई, वहीं सबसे ज्यादा छात्रों वाले निजी, यानी इंडिपेंडेंट स्कूलों का प्रदर्शन सबसे कमजोर रहा। खास बात यह है कि इन निजी स्कूलों की फीस आमतौर पर JNV और KV की तुलना में कहीं अधिक होती है।

शिक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि निजी स्कूलों के कमजोर प्रदर्शन का असर भोपाल रीजन की रैंकिंग पर भी पड़ा है। इसी कारण मध्य प्रदेश का भोपाल रीजन देश के 22 सीबीएसई रीजन में 19वें स्थान पर पहुंच गया। वहीं हर श्रेणी में छात्राओं ने छात्रों से बेहतर प्रदर्शन किया और भोपाल रीजन में लड़कियां करीब पांच प्रतिशत अंकों से आगे रहीं। सीबीएसई के आंकड़ों के मुताबिक, मध्य प्रदेश में सबसे बेहतर प्रदर्शन जवाहर नवोदय विद्यालयों का रहा। JNV का कुल पास प्रतिशत 98.16% दर्ज किया गया। लड़कों का परिणाम 97.81% और लड़कियों का 98.73% रहा। विशेषज्ञों के अनुसार, नवोदय विद्यालयों की रेजिडेंशियल व्यवस्था, अनुशासित माहौल और नियमित अकादमिक मॉनिटरिंग इसकी बड़ी वजह है। ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने वाला यह मॉडल लगातार सफल साबित हो रहा है। केंद्रीय विद्यालयों का प्रदर्शन भी मजबूत रहा। इनका कुल पास प्रतिशत 97.90% दर्ज किया गया। लड़कों का परिणाम 97.66% और लड़कियों का 98.11% रहा। विशेषज्ञों का कहना है कि प्रशिक्षित शिक्षक, राष्ट्रीय स्तर का पाठ्यक्रम और नियमित मूल्यांकन केंद्रीय विद्यालयों की सफलता का आधार हैं। यही वजह है कि इनके परिणाम लगातार राष्ट्रीय औसत से बेहतर बने रहते हैं। एकलव्य मॉडल रेजिडेंशियल स्कूल (EMRS) का कुल पास प्रतिशत 85.47% रहा। लड़कों का परिणाम 83.46% और लड़कियों का 86.89% दर्ज किया गया। सीमित संसाधनों और सामाजिक चुनौतियों के बावजूद यह प्रदर्शन सकारात्मक माना जा रहा है। यहां भी छात्राओं ने छात्रों से बेहतर परिणाम देकर बढ़ती शैक्षणिक जागरूकता का संकेत दिया। सरकारी स्कूलों का कुल पास प्रतिशत 80.60% रहा। लड़कों का रिजल्ट 79.86% और लड़कियों का 80.88% दर्ज किया गया। शिक्षा क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञों का कहना है कि शिक्षकों की कमी और बुनियादी संसाधनों की चुनौतियों के बावजूद यह प्रदर्शन संतोषजनक है। हालांकि, इंफ्रास्ट्रक्चर और डिजिटल संसाधनों में सुधार से परिणाम बेहतर हो सकते हैं। सबसे चिंताजनक तस्वीर निजी स्कूलों की रही। सीबीएसई से संबद्ध इंडिपेंडेंट स्कूलों में सबसे अधिक 61,419 छात्रों ने रजिस्ट्रेशन कराया था और 61,242 छात्र परीक्षा में शामिल हुए। इसके बावजूद इन स्कूलों का कुल पास प्रतिशत केवल 76.85% रहा, जो सभी श्रेणियों में सबसे कम है। लड़कों का परिणाम 74.12% और लड़कियों का 80.02% दर्ज किया गया।

बीएचईएल लेडीज लेडीज क्लब द्वारा संचालित कस्तूरबा अस्पताल स्थित वाटिका जलपान गृह के नवीनीकृत एक्सटेंशन काउंटर का लोकार्पण

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

बीएचईएल लेडीज लेडीज क्लब द्वारा संचालित कस्तूरबा अस्पताल स्थित वाटिका जलपान गृह के नवीनीकृत एक्सटेंशन काउंटर (PHARMACY) का लोकार्पण मुख्य अतिथि श्रीमती संगीता रामनाथन एवं श्रीमती रोजी उपाध्याय, अध्यक्षा बीएचईएल लेडीज क्लब की गरिमामय उपस्थिति में सम्पन्न हुआ जिसका उद्देश्य मरीजों को खान-पान की शुद्ध सामग्री उपलब्ध कराना है ।

इस अवसर पर डॉ. (श्रीमती) पोमिला सचदेवा, महाप्रबंधक एवं मुख्य चिकित्सा सेवाएं, अन्य चिकित्सक एवं अधिकारीगण, वाटिका सेंटर की उपाध्यक्ष श्रीमती प्रीति अग्रवाल, सचिव श्रीमती बीना बरनवाल, कोषाध्यक्ष श्रीमती मंजू शौरी, श्रीमती शीतल जुनेजा सहित अन्य उपाध्यक्ष श्रीमती योगिता बघेल, श्रीमती अनुजा मजूमदार, श्रीमती ललिता चटर्जी, सहित श्रीमती मनीषा शर्मा, श्रीमती निशा मीना, श्रीमती दीपाली गोस्वामी एवं मैनेजर श्री सुमेर सिंह लोवंशी भी उपस्थित थे ।

मध्य प्रदेश निगम मंडल अधिकारी कर्मचारी महासंघ के प्रांत अध्यक्ष ने मुख्यमंत्री से मितव्यवित्ता वरतने के निर्देश देने की मांग की

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

मध्य प्रदेश निगम मंडल अधिकारी कर्मचारी महासंघ के प्रांत अध्यक्ष अजय श्रीवास्तव नीलू ने मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव से यह मांग की है कि वर्तमान में प्रदेश निगम मंडलों में अध्यक्ष उपाध्यक्ष अन्य पदों पर राजनीतिक नियुक्तियां की गई है। उनके अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, अन्य पदाधिकारी को खास तौर से वाहनों के उपयोग में मितव्ययिता बरतने की निर्देश/आदेश अविलम्ब जारी होना चाहिए । ताकि देश के प्रधानमंत्री जहां एक और सभी से पेट्रोल डीजल कम से कम खर्च करने की बात कर रहे हैं , कम से कम गाड़ियों का उपयोग करने की बात कर रहे हैं ।पूल सिस्टम लागू करने की बात कर रहे हैं। वहीं उनकी भावनाओं के विरुद्ध सैकड़ों गाड़ियों के साथ जुलूस ले जाकर वाहनों का दुरुपयोग करना वास्तव में प्रधानमंत्री की भावना के विरुद्ध हैं। इसके अलावा मुख्यमंत्री से मांग की गई है कि जो निगम मंडल हानि में चल रहे हैं वहां पर नए अध्यक्षों या उपाध्यक्ष आदि अन्य पदाधिकारीयों की नियुक्ति नहीं होना चाहिए । संबंधित मंत्री या विभागीय ए सी एस या पी एस को अध्यक्ष बनाया जाए।

पुराने आदेशानुसार सभी निगम मंडलों में एम ओ यू(लक्ष्य पूर्ति करारनामा प्रथा फिर से लागू होना चाहिए, ताकि साल भर की गतिविधियों का लेखा जोखा बुरा एक बार समीक्षा बैठक में आए। उससे पता लगे कि राजनीतिक नियुक्तियां कारगर सिद्ध हुई या सफेद हाथी साबित हुई।

महासंघ के पदाधिकारी संयोजक अनिल बाजपेई ,कार्यकारी अध्यक्ष अरुण वर्मा हेमंत कपूर, महामंत्री गजेंद्र सिंह कोठारी, बलवंत सिंह रघुवंशी, श्याम सुंदर शर्मा ,आदि ने मुख्यमंत्री से इस मांग पहल कर प्रदेश स्तर पर कड़े आदेश प्रसारित करने का की मांग की है। ताकि देश हित में प्रदेश के राजनीतिक लोग इसका पालन कर सके।

गर्मी से राहत के लिए जैन सोशल ग्रुप मेन द्वारा श्रमिकों को राहत सामग्री वितरित

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

भीषण गर्मी को देखते हुए जेएसजी मेन 72 भोपाल* के सदस्यों द्वारा पूर्व आईडी अमर जैन* और अध्यक्ष पदम् सराफ के मार्ग दर्शन में राहत सामग्री का वितरण किया गया। इस दौरान श्री दिगंबर जैन मंदिर स्मार्ट सिटी के पास निर्मित बिल्डिंग में कार्यरत श्रमिकों को अन्न सामग्री धूप से बचाव हेतु टोपी एवं गमछे का वितरण किया गया इस अवसर पर पूर्व अध्यक्ष चक्रेश जैन, अध्यक्ष पदम सराफ, उपाध्यक्ष श्रीमती सरिता बजाज, सचिव अमित जैन, कार्यकारिणी सदस्य सुरेंद्र जैन, सरुन बजाज, शैलेंद्र लहरी, श्रीमती मधु जैन, श्रीमती राखी जैन, श्रीमती सीमा जैन एवं अन्य सदस्य मौजूद थे प्रवक्ता अंशुल जैन ने बताया जैन सोशल ग्रुप मेन निरंतर सक्रियता से सामाजिक सरोकार के कार्य कर रहा है।

आनंद विहार विद्यालय तुलसी नगर भोपाल कक्षा 12वीं के परीक्षा परिणाम में छात्राओं ने बाजी मारी

SHREYA GUPTA - 91 %

TANIYA ANAND - 90.4 %

ADITYA PANT - 91.8 %

ANUSHKA SAHU - 91.6 %

DEEPSHIKHA YADAV - 91.2 %

KASHISH TIWARI - 91.8 %

LAVI JAIN - 92.4 %

SUHANI SHARMA - 94.8 %

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

आनंद विहार विद्यालय तुलसी नगर भोपाल में कक्षा बारहवीं का परीक्षा परिणाम अत्यंत उत्कृष्ट रहा। वाणिज्य संकाय में सुहानी शर्मा ने 94.8% के साथ विद्यालय स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त कर विद्यालय को गौरवान्वित किया।लवी जैन 92.4%, कशिश तिवारी 91.8%, आदित्य पंत 91.8%,अनुष्का साहू 91.6% ,दीपशिखा यादव 91.8% अंक अर्जित कर विद्यालय को गौरवान्वित किया । विज्ञान संकाय में श्रेया गुप्ता 91% के साथ विद्यालय स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त किया। कुल 100 विद्यार्थियों में से 72 विद्यार्थियों ने अपने मुख्य विषयों में एक से अधिक विषयों में 90 से अधिक अंक अर्जित किया।सत्यम तिवारी और दीपशिखा यादव ने योगा (ऐच्छिक विषय) में 100 अंक अर्जित किया। वनिता समाज प्रेसिडेंट श्रीमती मधु सरन मैडम ,विद्यालय चेयरपर्सन मैडम हिना बोस , मार्गदर्शक मैडम अर्चना बागची ,सचिव मैडम कृष्णा विजयवर्गीय, कोषाध्यक्ष मैडम जीवन राव एवं विद्यालय प्रबंधन समिति के समस्त सदस्यों ने इस उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम पर विद्यार्थियों को बधाई प्रेषित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।विद्यालय प्राचार्य श्री शैलेश झोंपे एवं सभी शिक्षकों ने अत्यंत प्रसन्नता व्यक्त करते हुए विद्यार्थियों को बधाई प्रेषित किया तथा उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

अपेक्स बैंक के प्रशासक द्वारा शीर्ष बैंक मुख्यालय के विभिन्न कक्षों में भ्रमण किया गया

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

अपेक्स बैंक के प्रशासक श्री महेन्द्र सिंह यादव द्वारा बुधवार को शीर्ष बैंक मुख्यालय के विभिन्न कक्षों में भ्रमण कर सभी अधिकारियों/कर्मचारियों से परिचय प्राप्त कर कक्ष की कार्य प्रणाली के बारे में जानकारी प्राप्त की। उक्त अवसर पर श्री यादव के साथ बैंक के प्रबंध संचालक श्री मनोज गुप्ता एवं वि.क.अ. अरुण मिश्रा भी साथ थे। भ्रमण के दौरान श्री यादव ने मुख्यालय के भूतल भवन स्थित संभागीय शाखा में क्लियरिंग सेक्शन एवं लॉकर रूम का भी भ्रमण किया।

पहला जत्था चार धाम की यात्रा कर भोपाल पहुंचा एवं तीसरा जत्था मातृशक्ति का हरिद्वार से चार धाम के लिए रवाना

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

पहला जत्था चार धाम यात्रा की यात्रा कर भोपाल पहुंचा एवं तीसरा जत्था मातृशक्ति का हरिद्वार से चार धाम के लिए रवाना हुआ। ओम शिव शक्ति सेवा मंडल भोपाल के सचिव रिंकू भटेजा बताया कि कि 30 अप्रैल को प्रकाश पाटिल के नेतृत्व में गया जत्था भोपाल वापस आ गया एवं महिला मंडल की अध्यक्षा दिव्या बोहरा के नेतृत्व में 37 महिलाओं का तीसरा जत्था भोपाल से 11 मई को रवाना हुआ था। 12 मई को हरिद्वार में गंगा आरती करने के उपरांत 13 तारीख को हरिद्वार से चार धाम यात्रा के लिए रवाना हुआ।

वंदनीय माता भगवती देवी शर्मा के जन्म शताब्दी वर्ष 2026 के अंतर्गत जन जागरण के 13 अभियानों में एक महत्वपूर्ण नारी जागरण

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

अखिल विश्व गायत्री परिवार द्वारा अखंड दीपक एवं वंदनीय माता भगवती देवी शर्मा के जन्म शताब्दी वर्ष 2026 के अंतर्गत जन जागरण के 13अभियानों में एक महत्वपूर्ण नारी जागरण के तहत बुधवार को स्टर्लिंग केशल कैम्पस के गणेश मंदिर मे नारी जागरण कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।.
कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थिति श्रीमती लेखा चौहान ने कहा कि आज भारतीय नारियाँ शिक्षत और भौतिक प्रगति की दौड़ मे अग्रणी तो हैं लेकिन अपनी नारीत्व की गरिमा को भूल गई है। उन्होंने माता बहिनों से संस्कृति और समाज के उत्थान के लिए अपने समय साधना लगाने का आव्हान किया। जिला समन्वय समिति के सह समन्वयक श्री सुरेश श्रीवास्तव ने गायत्री परिवार संगठन के विराट होते स्वरुप और समाज और राष्ट्र निर्माण मे उसकी भूमिका के बारे मे बताया तथा संगठन से जुड़कर ईश्वरी कार्य मे सहभागिता का बहिनों का आव्हान किया.। कार्यक्रम मे डॉ सुनीत गुप्ता, श्रीमती रेखा तिवारी, श्रीमती हेमलता पटेल, श्री आर. बी. चौरिया आदि उपस्थिति रहे।

लघुकथा में अनावश्यक विस्तार और जानकारियां देने से बचें -डॉ. मिथलेश अवस्थी

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

'लघुकथा में अनावश्यक विस्तार और जानकारी देने से लघुकथा लेखकों को बचना चाहिए, लघुकथा का सम्यक मूल्यांकन करते समय विषय भाषा शिल्प और शैली पर पैनी दृष्टि रखना बहुत आवश्यक है | ' यह उदगार हैं वरिष्ठ लघुकथा लेखक प्रो. मिथलेश अवस्थी नागपुर के जो लघुकथा शोध केंद्र समिति भोपाल द्वारा आयोजित बुधवारीय साप्ताहिक ऑन -लाइन गूगल गोष्ठी में सुपरिचित रचनाकार चित्रा राघव राणा यू. एस. ए. के लघुकथा पाठ पश्चात् विमर्श में मुख्य वक्ता के रूप में बोल रहे थे | इस आयोजन में चित्रा राघव राणा ने 'बोझ ' बहिन -भाई के आत्मीय रिश्तों पर केंद्रित 'अवरुद्ध ' बेटियों के साथ दोयम व्यवहार को लेकर बुनी गई 'कतरा -कतरा ' देश में पैदा हो रही विघटन की परिस्थितियों पर 'अपनत्व ' अपने देश से विदेश में रहकर भी प्यार करने वालों के भाव तथा 'लिपस्टिक और सिगरेट ' समाज में महिलाओं से लेंगिक भेदभाव की स्थिति पर लिखी गई लघुकथाओं का प्रभावी पाठ किया | इन लघुकथाओं पर वरिष्ठ साहित्यकार राजश्री शर्मा खंडवा ने मुख्य समीक्षक के रूप में अपनी बात रखते हुए इन लघुकथाओं को गहरी संवेदनाओं से संप्रक्त सामाजिक भावनाओं से भरी लघुकथाएं बताया |
आयोजन के आरम्भ में शोध केंद्र की निदेशक कांता रॉय ने स्वागत उदबोधन दिया,कार्यक्रम का सफल सुमधुर संचालन डॉ.ममता माली मुंबई ने किया, इस आयोजन में डॉ. दिलीप बच्चानी, गोविन्द शर्मा, अनीता रश्मि, डॉ. गिरिजेश सक्सेना, घनश्याम मैथिल अमृत ने भी अपनी महत्वपूर्ण पाठकीय टिप्पणीयां प्रस्तुत की कार्यक्रम के अंत में रचनाकार चित्रा राघव ने सभी का आभार प्रकट किया आयोजन में देश विदेश के अनेक लघुकथा प्रेमी लेखक पाठक उपस्थित थे |

पानी सिर तक पहुंचा!

सवा दो महीनों तक आर्थिक मजबूती का गैर-जरूरी दिखावा करने के बाद आखिरकार अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने "चुनौतीपूर्ण वैश्विक परिस्थितियों" का मुकाबला करने के लिए सात-सूत्री अपील भारतवासियों से की है।

तो आखिर ये नौबत आ पहुंची। प्रधानमंत्री को डॉलर और तेल- गैस बचाने के लिए आम नागरिकों से अपील करनी पड़ी है। सवा दो महीनों तक आर्थिक मजबूती का गैर-जरूरी दिखावा करने (मुमकिन है जारी चुनाव के कारण किया गया हो) के बाद अब नरेंद्र मोदी ने "चुनौतीपूर्ण वैश्विक परिस्थितियों" का मुकाबला करने के लिए सात-सूत्री अपील भारतवासियों से की है। कहा है कि ऊर्जा बचाने के लिए उन्हें वर्क फ्रॉम होम को तरजीह देनी चाहिए, सार्वजनिक परिवहन का उपयोग कर पेट्रोल- डीजल की खपत घटानी चाहिए, और रसोई ईंधन के इस्तेमाल में कटौती करनी चाहिए। विदेशी मुद्रा खर्च ना हो, इसके लिए साल भर उन्हें सोना नहीं खरीदना चाहिए, स्वदेशी उत्पादों का ज्यादा इस्तेमाल करना चाहिए, और विदेश यात्रा से बचना चाहिए। साथ ही रासायनिक उर्वरकों का इस्तेमाल घटाने के लिए कुदरती खेती की ओर जाना चाहिए। ये बातें ऊर्जा, डॉलर, और उर्वरकों की संभावित किल्लत की ओर इशारा करती हैं। ईरान युद्ध ने विश्व ऊर्जा बाजार के स्वरूप को फिलहाल बदल दिया है। इसकी मार उन तमाम देशों पर पड़ी है, जिनके पास अपना ऊर्जा स्रोत नहीं है और अच्छे दौर में रणनीतिक भंडार बना लेने की बात जिनके दिमाग में नहीं आई। फिलहाल, बाजार में कच्चा तेल उपलब्ध है, लेकिन उसके लिए (फरवरी की तुलना में) सवा से डेढ़ गुनी ज्यादा कीमत चुकानी पड़ रही है। इससे विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव तेजी से बढ़ा है। इसी बीच विदेशी निवेशकों की भारत से पैसा निकालने के तेज होती गई रफ्तार और रुपये की कीमत में आई भारी गिरावट ने संकट और बढ़ा दिया है। उधर पश्चिम एशिया से घटे आयात के कारण उर्वरक में इस्तेमाल होने वाले केमिकल्स का अभाव हो गया है, जिससे खाद्य संकट की आशंकाएं गहराई हैं। ऐसे में कई देश पहले ही ऊर्जा एवं डॉलर बचाने के उपाय अपना चुके हैं। मगर भारत में बात तब शुरू हुई है, जब पानी सिर तक पहुंच गया है। तब भी बात सिर्फ नागरिकों तक है। जो भारतीय कंपनियां अरबों डॉलर का अमेरिका में कर रही हैं, उनमें देशभक्ति की भावना जगाने का आह्वान अभी नहीं किया गया है।

पैसा बांटो- राज करो!

सिर्फ विजय या स्टालिन को ही दोष क्यों दिया जाए? किसी राज्य या यहां तक कि केंद्र के बजट पर गौर करें, तो यही कहानी घटित होती दिखती है। पैसा बांटो, वोट खरीदो- सबका मकसद है। तमिलनाडु की सत्ता संभालते ही सी. जोसेफ विजय ने वो रोना रो दिया, जो अब राज्यों में बनने वाली हर नई सरकार के मुखिया करते हैं! आरोप लगाया कि पूर्व डीएमके सरकार राजकोष को बदहाल छोड़ गई है, जिसका ब्योरा उनकी सरकार एक श्वेत पत्र जारी कर देगी। कहा कि राज्य पर दस लाख करोड़ रुपये का कर्ज है। इसके बावजूद थलापति (कमांडर) पुकारे जाने वाले नए मुख्यमंत्री ने 200 यूनिट फ्री बिजली देने का एलान कर दिया। इससे हर साल 1,700 करोड़ रुपये से ज्यादा का नया बोझ राजकोष पर पड़ेगा। वैसे, यह सिर्फ झांकी है। वादों की अपनी लंबी लिस्ट को उन्होंने निभाया, तो उस पर सालाना एक लाख करोड़ रुपये से ज्यादा खर्च आएगा। 3.31 लाख करोड़ रुपये के बजट वाले इस राज्य में फिलहाल 65 हजार करोड़ रुपये की वो "कल्याण योजनाएं" भी हैं, जिन्हें डीएमके सरकार ने शुरू किया था। जिस राज्य में राजस्व का 62 फीसदी हिस्सा तनख्वाह, पेंशन, और ब्याज चुकाने पर खर्च होता हो, वहां ऐसा "जन कल्याण" सिर्फ नया ऋण लेकर ही किया जा सकता है! हर कर्ज बुरा नहीं होता, बशर्ते उसका इस्तेमाल अर्थव्यवस्था एवं समाज की बुनियाद मजबूत करने के लिए किया जाए। इससे भविष्य में राजस्व बढ़ता है, जिससे विकसित समाज बनाने का मार्ग प्रशस्त होता है। जबकि ऋण लेकर उपभोग में खर्च करना असल में भविष्य को दांव पर लगाना होता है। दुर्भाग्यपूर्ण है कि स्टालिन हों या विजय, अथवा अन्य राजनीतिक दल एवं नेता- इस अनुभव सिद्ध तथ्य को नजरअंदाज किए रहते हैं। याद करने योग्य है कि 2021 में मुख्यमंत्री बनने पर डीएमके नेता एम.के. स्टालिन ने पूर्व एडीएमके सरकार पर खाली खजाना छोड़ जाने का आरोप लगाया था। मगर, नकदी ट्रांसफर की अपनी योजनाएं चलाने से वे बाज नहीं आए। वैसे सिर्फ उन्हें या विजय को ही दोष क्यों दिया जाए? किसी राज्य या यहां तक कि केंद्र के बजट पर गौर करें, तो यही कहानी घटित होती दिखती है। बुनियाद मजबूत करना आज किसी की प्राथमिकता नहीं है। पैसा बांटो, वोट खरीदो- सबका मकसद है। हर श्वेत पत्र इसी अंधकारमय सच्चाई को उजागर करता है।

जनता संयम करें, सत्ता उड़ान भरे!

तो अब जनता के लिए संयम का समय है। 10 मई को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चुपचाप परदा हटा दिया। असलियत सामने आई। देशवासियों से कहा गया—विदेश यात्राएं टालिए, ईंधन-तेल कम खर्च कीजिए, गाड़ियां साझा कीजिए, घर से काम कीजिए। हमेशा की तरह भाषा सधी हुई थी। आवाज में चिंता थी, ठहराव था, और तकलीफों पर हल्का-सा राष्ट्रवाद चढ़ा हुआ था। संदेश साफ था, संकट आया है तो जनता अपनी कमर कसे, देशभक्ति दिखाएं, त्याग को तैयार रहे! हैदराबाद के भाषण ने केवल यह नहीं बताया कि भारत संकट के दौर में है। भाषण ने वास्तव में कुछ और उजागर किया। यह कि भारत में व्यवस्था पर दबाव बढ़ने पर बोझ उठाने की अपेक्षा आखिर किससे की जाती है? केवल आम लोगों से। देश से धीरे-धीरे कहा जा रहा है कि कम खर्च करो, कम यात्रा करो, कम उम्मीद रखो, और इस समायोजन को देशभक्ति समझो। प्रधानमंत्री ने आत्मनिर्भरता का जुमला बोला और कहा कि भारत का भविष्य "रोजमर्रा के जीवन में लिए गए सचेत निर्णयों" से तय होगा। निश्चित रूप से कॉरपोरेट भारत से नहीं, जिसकी विदेशी कॉन्फ्रेंस, एग्जीक्यूटिव रिट्रीट और विदेश यात्राएं संयम की अपील से अप्रभावित हैं। उस अरबपति वर्ग से नहीं, जिसकी संपत्ति पिछले दशक के लगभग हर संकट के साथ बढ़ी है, जबकि शीर्ष एक प्रतिशत आबादी अब देश की 40 प्रतिशत से अधिक संपत्ति पर नियंत्रण रखती है। उन मंत्रियों से भी नहीं, जिनके विदेश जाने वाले प्रतिनिधिमंडल सैकड़ों करोड़ रुपये खर्च करते हैं और फिर चुपचाप सार्वजनिक चर्चा से गायब हो जाते हैं।

निश्चित ही स्वयं प्रधानमंत्री से भी नहीं। नागरिकों से विदेश यात्राओं पर पुनर्विचार करने की अपील के बाद नरेंद्र मोदी यूरोप और खाड़ी देशों की बहुदेशीय यात्रा पर निकल पड़े—नीदरलैंड, स्वीडन, नॉर्वे, इटली और यूएई। व्यापार, ऊर्जा और सहयोग पर वे बातचीतें, जो सरकार की अपनी डिजिटल दक्षता और वर्क फ्रॉम होम वाली भाषा के अनुसार, उन्हीं वीडियो कॉन्फ्रेंसों पर भी हो सकती थीं जिनकी सलाह देश को दी गई थी।

यह विरोधाभास संयोग नहीं है। यह व्यवस्था की बनावट में मौजूद है। प्रस्तावित त्याग कभी सचमुच राष्ट्रीय नहीं होता। वह नीचे की ओर निर्देशित रहता है—मध्यवर्ग, निम्न मध्यवर्ग, किसान, वेतनभोगी परिवार और छोटे व्यापारी की ओर। उस भारत की ओर, जो व्यवस्था में दरार पड़ते ही सबसे पहले खर्चे बांधता है। उन भारतीयों की ओर, जिनके लिए सोना विलासिता नहीं, सुरक्षा है। किसी नीति-निर्माता को सोना केवल आभूषण या राष्ट्रीय हित में टाली जा सकने वाली वस्तु लग सकती है। लेकिन भारत में लोग सोने को आर्थिक रिपोर्ट की तरह नहीं देखते। फसल से पहले वही गिरवी रखते हैं। जिन परिवारों में बेटियों के हिस्से कुछ और नहीं आता, वहां वही उनका उत्तराधिकार होता है। स्थिर वित्तीय ढांचे से बाहर करोड़ों लोगों के लिए वही उस सामाजिक सुरक्षा का सबसे निकट विकल्प है, जिसे भारत गणराज्य कभी बना नहीं सका। परिवारों से सोना खरीद टालने को कहना केवल आर्थिक अपील नहीं है। यह उनसे उस सुरक्षा जाल को स्थगित करने को कहना है, जिसे उपलब्ध कराने में राज्य विफल रहा है।

शायद यही आधुनिक भारतीय राजनीति की सबसे बड़ी कुशलता या बेईमानी है। अपनी आर्थिक गड़बड़ियों और असुरक्षा को जनता की नैतिक जिम्मेदारी करार दो। संस्थागत सहारा जितना कमजोर होता है, त्याग की भाषा उतनी ऊंची हो जाती है। नागरिकों से अब केवल अस्थिरता झेलने की अपेक्षा नहीं की जाती। उनसे उसे नैतिक गरिमा के साथ झेलने की अपेक्षा की जाती है। इसलिए इसके बाद जो दृश्य सामने आया, वह संयोग कम और खुलासा अधिक लगा।

नागरिकों से संयम, त्याग और कम उपभोग की अपील के चौबीस घंटे भी पूरे नहीं हुए थे कि गुजरात प्रदर्शन की तैयारी में जुटा हुआ था। प्रधानमंत्री मोदी का भव्य रोड शो सोमनाथ से गुजरा। काफिले, भीड़, भगवा झंडे, डेढ़ किलोमीटर तक खड़े कलाकार और मंदिर नगरी से गुजरता योजनाबद्ध विजय प्रदर्शन। सोमनाथ मंदिर के पुनरुद्धार के 75 वर्ष पूरे होने पर भारतीय वायुसेना की सूर्य किरण एरोबैटिक टीम के छह हॉक एमके-132 विमानों ने अरब सागर के ऊपर केसरिया, सफेद और हरे रंग की लकीरें खींचीं।

फिर वडोदरा में दूसरा रोड शो, दूसरा उद्घाटन, शक्ति का एक और सार्वजनिक प्रदर्शन। दो दिन में तीन शहर। छह लड़ाकू विमान। दो रोड शो। लेकिन वहां किसी ने संयम की बात नहीं की। मीडिया में कोई यह हिसाब नहीं लगा रहा था कि काफिलों, विमानों और पूरे तमाशे में कितना ईंधन खर्च हुआ।

हैदराबाद भाषण में सबसे अधिक ध्यान खींचने वाली बात वह नहीं थी जो कही गई। बल्कि वह थी, जिसे कहना अब जरूरी नहीं समझा गया। विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव क्यों है, इसका कोई स्पष्ट हिसाब नहीं दिया गया। वर्षों से टाले गए संरचनात्मक सुधारों पर कोई आत्ममंथन नहीं हुआ। आत्मनिर्भरता के दावों के बावजूद भारत वैश्विक झटकों के प्रति कितना संवेदनशील बना हुआ है, इसका कोई ईमानदार स्वीकार नहीं था। आखिर सरकार का बिल आपके खाने की मेज पर नहीं पहुंचता। आपका पहुंचता है। यही वह नई कारीगरी है जिसने भारत में पुराने सामाजिक अनुबंध की जगह ले ली है। गणराज्य का पुराना वादा कठिन था, लेकिन स्पष्ट था—आप राज्य को अपना वोट, टैक्स और भरोसा देते हैं तो बदले में सरकार से अपेक्षा होती है कि संकट घर तक पहुंचने से पहले उसे सरकार अपने भीतर सोख ले।

आज का नया इंतजाम अलग है। आप सरकार को अपना वोट दें, उसे जिताएं, टैक्स और विश्वास भी दें, लेकिन जब अर्थव्यवस्था कमजोर पड़े या संकट आए, तब अपनी ही कमर कस लीजिए। खर्च घटाइए। अपनी सुरक्षा तक टाल दीजिए। महीने का बजट थोड़ा और खींचिए, जबकि प्रधानमंत्री, मंत्री और सरकार चमचमाते मंचों से अपने तमाशे करते रहें।

इसलिए एक तरफ वह कॉरपोरेट वर्ग है, जिसकी विदेश यात्रा का बजट मध्यवर्ग के सिकुड़ने के साथ भी बढ़ता रहता है। आखिर वे अरबपति हैं, जिनकी संपत्ति हर संकट के साथ और बढ़ती गई। फिर वह राजनीतिक प्रतिष्ठान है, जिसके रोड शो, एयर शो और विदेशी दौरों की भूख जनता के पैसे पर बेखटके चलती है। उस पर मितव्ययिता की कोई सीमा लागू नहीं होती। दूसरी ओर वह बेरोजगार स्नातक है जिसे नौकरी नहीं मिल रही, वह परिवार है जो कर्ज को अगले महीने तक घसीट रहा है, वह किसान है जो ऋण के लिए चांदी-सोना गिरवी रखता है, और वह घर है जिससे प्रधानमंत्री अब राष्ट्रीय हित में बेटी के गहने खरीदने को टाल देने के लिए कह रहे हैं।

उस नाते प्रधानमंत्री के 10 मई के भाषण ने आखिरकार यही उजागर किया। यह लीडरशिप का क्षण नहीं था, बल्कि अनायास आई पारदर्शिता से लोगों को संकट के लिए तैयार करने का क्षण था। क्योंकि जब कोई सरकार संकट में सबसे पहले नागरिकों के सोने की ओर देखती है, तब वह कॉरपोरेट से अपील नहीं कर रही होती। वह अपनी संयम और अपनी कटौती नहीं बता रही होती। वह लोगों को छुट्टी रद्द करने को कह रही होती है, लेकिन प्रधानमंत्री खुद तुरंत यूरोप की उड़ान भरते हैं। सो लब्बोलुआब क्या? भारत में त्याग के लिए भी एक वर्ग तय है—मध्यवर्ग, यानी आम जन।

-श्रुति व्यास

परजीवी होने में भाजपा और कांग्रेस का अंतर!

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस को परजीवी पार्टी कहा है। उन्होंने कई बार पहले भी यह बात कही है। इस बार रविवार को दक्षिण भारत के दौरे पर उन्होंने यह बात कही। यह संयोग है कि जिस समय प्रधानमंत्री ने यह तंज किया उस समय तमिलनाडु की नई सरकार शपथ ले रही थी और मंच पर मुख्यमंत्री विजय के साथ राहुल गांधी भी बैठे हुए थे। प्रधानमंत्री ने कहा कि कांग्रेस अब परजीवी पार्टी हो गई है। यह बात एक स्तर पर सही है। हालांकि अभी जिन तीन राज्यों में कांग्रेस की सरकार है वह सरकार उसने अपने दम पर बनाई है। कर्नाटक, तेलंगाना और हिमाचल प्रदेश में उसे अकेले पूर्ण बहुमत है। उसने किसी सहयोगी पार्टी के साथ भी चुनाव नहीं लड़ा था। चौथा राज्य केरल है, जहां कांग्रेस की सरकार बनेगी। वहां जरूर वह एक गठबंधन के साथ लड़ी थी। फिर भी कांग्रेस ने 140 के सदन में 63 सीटें अकेले जीती है। यानी वह बहुमत के करीब अपने दम पर पहुंच गई है। अगर कांग्रेस के दूसरी पार्टियों पर निर्भरत की बात करें तो कुछ राज्य जरूर हैं, जहां कांग्रेस निर्भर है। जैसे बिहार, उत्तर प्रदेश आदि।

लेकिन ज्यादातर राज्यों में कांग्रेस हारे या जीते अकेले ही राजनीति करती है। एक श्रेणी ऐसे राज्यों की है, जहां कांग्रेस गठबंधन में है लेकिन उसकी ताकत भी कम नहीं है और वहां गठबंधन नहीं होने से प्रादेशिक पार्टियों को नुकसान हो सकता है। बहरहाल, एक समय ऐसा भी रहा है, जब थोड़े से राज्यों को छोड़ दें तो भारतीय जनता पार्टी हर जगह गठबंधन के सहारे ही चलती रही है। देश के ज्यादातर राज्यों में भले भाजपा ने सरकार बना ली है लेकिन थोड़े समय पहले ही हर राज्य में उसकी निर्भरता किसी न किसी दल के ऊपर थी। महाराष्ट्र में वह शिव सेना के दम पर फली फूली तो बिहार में नीतीश कुमार की समता पार्टी या जनता दल यू के दम पर आगे बढ़ी। तमिलनाडु में अन्ना डीएमके या डीएमके से उसका तालमेल रहता था तो आंध्र प्रदेश में टीडीपी के साथ। पंजाब में वह अकाली दल के दम पर खड़ी थी तो हरियाणा में इंडियन नेशनल लोकदल के दम पर। अब अगर कांग्रेस और भाजपा के फर्क की बात करेंगे तो वह भी साफ दिखाई देगा। कांग्रेस जिन पार्टियों के साथ रही उनमें से ज्यादातर पार्टियां आज भी हैं और मजबूत हैं। दूसरी ओर भाजपा जिन पार्टियों के साथ रही वे आज अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रही हैं। जीव विज्ञान में परजीवी यानी पैरासाइट उन सूक्ष्म जीवों को कहते हैं जो दूसरे का रक्त चूस कर जीवित रहते हैं। कुछ पैरासाइट ऐसे होते हैं, जो होस्ट को भी जीवित रखते हैं और खुद भी जीवित रहते हैं। लेकिन कुछ पैरासाइट ऐसे होते हैं, जो होस्ट का समाप्त कर देते हैं। अलग अलग राज्यों में भाजपा के जो सहयोगी थे उनकी स्थिति देखें तो एक साफ तस्वीर सामने आती है। महाराष्ट्र में शिव सेना बड़ी ताकत थी। उसके दम पर भाजपा आगे बढ़ी लेकिन आज शिव सेना और ठाकरे परिवार अस्तित्व की लडाई लड़ रहा है। बिहार में जनता दल यू बड़ी पार्टी थी। आज उसकी जगह भाजपा सरकार में है और जदयू के सामने अस्तित्व का संकट है। पंजाब में अकाली दल और हरियाणा में इनेलो लगभग समाप्त हो गए हैं। ओडिशा में बीजू जनता दल की स्थिति भी ऐसी ही है। झारखंड में आजसू के सामने भी अस्तित्व का संकट है। अभी भाजपा के साथ जो भी सहयोगी हैं वे सब भाजपा की कृपा पर हैं। अब किसी का ऐसा अस्तित्व नहीं है कि वह स्वतंत्र राजनीति कर सके।

तेल के संकट की याद तो आई!

आखिरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को तेल के संकट की याद आ गई। हालांकि ऐसा नहीं है कि उनको इसके बारे में पता नहीं था। देश में पेट्रोल, डीजल और गैस का संकट तो करीब ढाई महीने पहले ही शुरू हो गया था। लेकिन चूंकि उस समय चुनाव चल रहे थे। इसलिए उस समय लोगों को बताया नहीं जा सकता था। अब संकट के बारे में बताने का सही समय आ गया है। प्रधानमंत्री पहले भी जानते थे कि देश में तेल के कुएं नहीं हैं। लेकिन यह बात उन्होंने देश के लोगों को तब बताई जब पांच राज्यों के चुनाव समाप्त हो गए। रविवार, 10 मई को जब वे कर्नाटक और तेलंगाना के दौरे पर थे तब उन्होंने हैदराबाद की अपनी सभा में कहा कि भारत के लोग किफायत से पेट्रोल, डीजल और गैस का इस्तेमाल करें क्योंकि भारत के पास तेल के बड़े बड़े कुएं नहीं हैं। ऐसा लग रहा है कि भारत के पास जो भंडार है उसमें भी कमी आ गई है। तभी यह बताने की जरुरत महसूस हुई है। अगर पांच राज्यों में चुनाव नहीं चल रहे होते तो प्रधानमंत्री यह बात पहले ही बताते। लोगों को आगाह करते कि पड़ोस के देश में युद्ध चल रहा है और भारत पर इसका बड़ा असर हो सकता है। इसलिए लोग तेल सोच समझ कर खर्च करें। लेकिन उस समय तो पेट्रोल, डीजल और गैस के संकट को लेकर प्रधानमंत्री या उनकी सरकार के किसी मंत्री ने एक शब्द नहीं कहा। उलटे प्रधानमंत्री सहित सभी मंत्रियों और अनेक राज्यों के मुख्यमंत्रियों के हवाई जहाज उड़ते रहे, जनसभाएं होती रहीं, रैलियां व रोड शो होते रहे। सवाल है कि क्या उनमें पेट्रोल, डीजल और गैस का खर्च नहीं हो रहा था? क्या थोड़ी रैलियां और रोड शो कम करके तेल नहीं बचाया जा सकता था? बहरहाल, अमेरिका और इजराइल ने 28 फरवरी को ईरान पर हमला किया। उसके दो हफ्ते बाद 16 मार्च को पांच राज्यों में विधानसभा चुनावों की घोषणा हुई। ईरान पर हमले के बाद एक मार्च से लेकर 10 मई तक एक बार भी सरकार की ओर से नहीं कहा गया कि तेल का संकट है। एक बार भी लोगों से अपील नहीं की गई कि वे संयम बरतें। हालांकि कई फैसले ऐसे हुए, जिससे लोग संयम बरतने को मजबूर हुए। जैसे कॉमर्शियल गैस की सप्लाई कम कर दी गई। कॉमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत सीधे तीन हजार रुपए से ज्यादा कर दी गई।

विमानों में इस्तेमाल होने वाले ईंधन की कीमत बढ़ा दी गई। विमानन कंपनियों के अधिकतम किराए पर लगी रोक को हटा लिया गया। सो, अपने आप लोग मजबूर हुए संयम बरतने के लिए। लेकिन जैसे ही पांच राज्यों के चुनाव खत्म हुए और सरकारों का गठन शुरू हुआ वैसे ही तेल संकट की चेतावनी आ गई और लोगों को संयम बरतने की नसीहत दी गई। प्रधानमंत्री मोदी ने बहुत विस्तार से इसके बारे में बताया। वे सिर्फ इतना कह कर नहीं रूक गए कि भारत के पास तेल के कुएं नहीं हैं। उन्होंने कहा कि लोगों को निजी गाड़ियों का इस्तेमाल कम करना चाहिए। कारपूलिंग करनी चाहिए। जिस तरह कोरोना की महामारी के समय किया उस तरह से वर्क फ्रॉम होम अपनाना चाहिए। प्रधानमंत्री ने किसानों से रासायनिक उर्वरक का इस्तेमाल कम करने और जैविक खाद की ओर यानी गोबर आदि की ओर लौटने को भी कहा। उन्होंने यह भी कहा कि लोगों को विदेश यात्राएं स्थगित करनी चाहिए ताकि विदेशी मुद्रा की बचत हो। प्रधानमंत्री ने देश के लोगों से सोने की खरीद कम करने की सलाह भी दी। सोचें, कितनी बड़ी बात है कि प्रधानमंत्री कह रहे हैं कि लोग विदेश घूमने नहीं जाएं और सोना नहीं खरीदें! इसका अर्थ है कि तेल का संकट गहरा है। यह पहले भी था लेकिन पहले चूंकि चुनाव चल रहे थे और उसके बीच अगर लोगों को इस तरह की नसीहत दी जाती तो चुनाव का नैरेटिव बिगड़ सकता था। इसलिए उस समय लोगों से कहा गया कि कोई संकट नहीं है और प्रधानमंत्री मोदी ने सब कुछ काबू में कर लिया है। यह धारणा बनवाई गई कि दुनिया के देशों में संकट है लेकिन भारत में चूंकि नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री हैं इसलिए कोई संकट नहीं है। दूसरी ओर दुनिया के दूसरे सभ्य व लोकतांत्रिक देशों ने इस तरह के उपायों के बारे में अपने नागरिकों को युद्ध शुरू होते ही बता दिया था। कई देशों ने वर्क फ्रॉम होम शुरू कराया और तेल की खपत कम करने के दूसरे उपाए आजमाने शुरू किए। विमानों की उड़ानों में कटौती की गई। लोगों के वेतन, भत्ते आदि घटाए गए। पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतें बढ़ाई गईं। लेकिन भारत में विधानसभा चुनावों के खत्म होने का इंतजार किया गया। उसके बाद इस संकट के बारे में बताया गया। अब प्रधानमंत्री ने जो कहा है उसके खतरे को समझने की जरुरत है। असल में दुनिया के किसी दूसरे देश के मुकाबले भारत के लिए चिंता ज्यादा है। भारत अपनी जरुरत का 85 फीसदी तेल आयात करता है। अपनी जरुरत का 60 फीसदी से ज्यादा गैस भी भारत आयात करता है। लेकिन पश्चिम एशिया में तनाव की वजह से तेल की आपूर्ति प्रभावित हुई है। युद्ध रूका हुआ है फिर भी होर्मुज की खाड़ी नहीं खुल रही है, जहां से भारत का 40 फीसदी तेल आता है। इसके अलावा खाड़ी के दूसरे देशों पर ईरान के हमले से तेल के कुओं को नुकसान हुआ तो तेल व गैस के संयंत्र भी नष्ट हुए हैं। इससे तेल के दाम बढ़े। सो, अगर सब कुछ सामान्य हो जाए तब भी तेल की आपूर्ति बहाल होने और कच्चे तेल की कीमत युद्ध से पहले की स्थिति तक पहुंचने में बहुत समय लगेगा। इसका अर्थ है कि भारत को कच्चे तेल की आपूर्ति कम रहेगी और कीमत ज्यादा देनी होगी। इससे भारत का आयात बिल बढ़ेगा जिसका असर भारत के विदेशी मुद्रा भंडार पर पड़ेगा। भारत के साथ दूसरा संकट यह है कि देश में तेल व गैस के भंडारण की व्यवस्था भी बहुत अच्छी नहीं है। तभी घरेलू आपूर्ति भी प्रभावित हुई है। इसका तेल व गैस पर आधारित दूसरे उद्योगों पर बहुत बड़ा असर हुआ है। हजारों की संख्या में फैक्टरियां बंद हुईं या उत्पादन कम हुआ है। इससे रोजगार के अवसर घटे हैं और मजदूरों का पलायन हुआ है। दूसरी ओर दुनिया देशों का बाजार जिस आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के आविष्कारों और नए उत्पादों के दम पर ऊपर जा रहा है उस क्षेत्र में भारत शून्य है। यही कारण है कि बाजार में भारत का वेटेज लगातार कम होता जा रहा है और ताइवान, दक्षिण कोरिया जैसे देशों का वजन बढ़ रहा है। ताइवान की एक कंपनी की बाजार पूंजी शेयर बाजार में सूचीबद्ध भारत की सभी कंपनियों की सामूहिक पूंजी से ज्यादा हो गई है। सो, अर्थव्यवस्था को लेकर भारत के बारे में विश्व की धारणा व्यापक रूप से प्रभावित हुई है। इसे लेकर ग्लोबल इन्वेस्टमेंट बैंकर रूचिर शर्मा ने पिछले दिनों कहा था कि वे 30 साल से इन्वेस्टमेंट बैंकिंग के क्षेत्र में हैं और कभी भी भारत के प्रति ऐसी उदासीनता देखने को नहीं मिली। उन्होंने कहा कि दुनिया भारत के बारे में सोच ही नहीं रही है। यह एक अलग आर्थिक संकट का संकेत है।

बहरहाल, प्रधानमंत्री ने पेट्रोल, डीजल और गैस को लेकर जिस तरह की सलाह और चेतावनी दी है वह संकट की गंभीरता बताने वाला है। इसका अर्थ है कि आने वाले कुछ समय तक भारत में ईंधन का संकट रहेगा। अगले कुछ दिनों में पेट्रोल, डीजल व गैस की कीमतों में इजाफा हो तब भी हैरानी नहीं होगी। अगर ईंधन महंगा होता है तो फिर जरुरत की सभी चीजों की कीमतें बढ़ेंगी। यानी महंगाई का नया दौर शुरू होगा। एक तरफ रोजगार कम हो रहे हैं तो दूसरी ओर कीमतें बढ़ेंगी। इसके बावजूद आपूर्ति सामान्य रहेगी इसकी गारंटी नहीं है। वह गारंटी करने के लिए सरकार को अपनी खरीद में विविधता लाने के साथ साथ भंडारण की व्यवस्था को बेहतर करना होगा। इसके साथ ही ऊर्जा के दूसरे स्रोतों में बड़ा निवेश करना होगा ताकि आयातित तेल पर निर्भरता कम हो।

-अजीत द्विवेदी

भारत में बैलेस्टिक मिसाइलों का ताबड़तोड़ प्रोडक्शन, कुछ बड़ा होगा

एजेंसी नई दिल्ली

भारत ने अपनी मिसाइल ताकत को लगातार मजबूत किया है। फिर चाहे ड्रोस जैसी सुपरसोनिक मिसाइलें हो या फिर अग्नि सीरीज की बैलेस्टिक मिसाइलें। भारत आज दुनिया की बड़ी सैन्य ताकतों में अपनी मजबूत मौजूदगी दर्ज करा चुका है और सबसे बड़ी बात इन अत्याधुनिक मिसाइलों के पीछे डीआरडीओ की बड़ी भूमिका रही है। रक्षा क्षेत्र में एक बड़ा बदलाव होने जा रहा है क्योंकि भारत सरकार प्राइवेट कंपनियों को भी इस सेक्टर में एंट्री देने की तैयारी में है। दरअसल दिल्ली में आयोजित कॉन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री के वार्षिक बिजनेस समिट 2026 में रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने खुद इस बात की जानकारी दी। उन्होंने खुद यह बात कही कि निजी क्षेत्र के साथ और ज्यादा काम करने के अन्य पहलुओं पर चर्चा चल रही है। उनका मानना है कि मिसाइल उत्पादन वो क्षेत्र है जहां अब तक एरोस्पेस के हिस्से के रूप में अधिकांश ऑर्डर लगभग पूरी तरह एक ही सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी को दिए जाते रहे। यह बात हम सब जानते हैं कि मिसाइल टेक्नोलॉजी में अगर भारत में किसी का दबदबा है तो वह डीआरडीओ है। डीआरडीओ ने आज कई घातक मिसाइलें बनाई हैं।

रक्षा सचिव ने जैसा कि जानकारी दी कि भारत सरकार निजी क्षेत्र की ओर भी देख रही है। यानी कि आगे चलकर जो मिसाइल टेक्नोलॉजी है उसमें प्राइवेट कंपनीज का भी बड़ा रोल हो सकता है। रक्षा सचिव ने कहा कि सरकार इस बात पर विचार कर रही है कि बदलते युद्ध के स्वरूप को देखते हुए फिलहाल निजी क्षेत्र की भागीदारी बढ़ाई जा सकती है। देखिए रक्षा सचिव ने क्या कुछ कहा। बट इन टर्म्स ऑफ दी अदर एलिमेंट्स ऑफ यू नो थिंग्स दैट वी कैन डू मोर विथ द प्राइवेट सेक्टर। युद्ध का तरीका बदल चुका है। आज मिसाइलें और ड्रोन फ्रंट लाइन में हैं। कहीं भी कोई देश लड़ रहा है तो सबसे ज्यादा हथियार जो इस्तेमाल में आ रहे हैं वो ड्रोंस हैं। मिसाइलें हैं। आज जिस देश के पास घातक मिसाइलें हैं वो अपनी सीमा की सुरक्षा कर सकता है। ऐसे में भारत बड़े स्तर पर मिसाइल प्रोडक्शन करना चाहता है। और रूस यूक्रेन युद्ध से लेकर पश्चिमी एशिया में बढ़ते तनाव तक दुनिया ने देखा कि आज मिसाइलें सिर्फ़ शक्ति प्रदर्शन का साधन नहीं बल्कि युद्ध जीतने का निर्णायक हथियार बन चुकी हैं। ऐसे में भारत को भी अपनी रक्षा उत्पादन क्षमता को बड़े स्तर पर बढ़ाने की जरूरत है। रक्षा सचिव ने कहा कि अब तक मिसाइल निर्माण के अधिकांश ऑर्डर सरकारी कंपनियों को दिए जाते रहे हैं। लेकिन सरकार अब इस क्षेत्र में निजी कंपनियों को भी अवसर देने पर गंभीरता से विचार कर रही है। उन्होंने कहा कि विभिन्न प्रकार की बैलेस्टिक मिसाइलों की टेक्नोलॉजी प्राइवेट सेक्टर को ट्रांसफर करने की इच्छा बढ़ रही है और उनके अनुसार अब वो समय आ चुका है जब इस दिशा में ठोस कदम उठाए जाने चाहिए। देखिए सरकार का यह कदम इसलिए भी बड़ा माना जा रहा है क्योंकि अभी भारत में कुछ ही कंपनियां हैं जो घातक मिसाइलें बना रही हैं। ज्यादातर ऑर्डर डीआरडीओ के पास हैं। तो ऐसे में डीआरडीओ के ऊपर भी एक बड़ा बोझ है। डीआरडीओ कई तरह की मिसाइलों पर काम कर रहा है। तो अगर ऐसे में प्राइवेट कंपनियों का साथ मिलता है या फिर प्राइवेट कंपनियां इस क्षेत्र में घुसती हैं तो एक तरह से एक बोझ भी कम होगा और बड़े स्तर पर बड़े स्केल पर मिसाइल का प्रोडक्शन होगा।

अफगानिस्तान हिंदुत्व की लड़ाई लड़ रहा, तालिबान पर भड़का पाकिस्तान, बोला- भारत जैसा हाल करेंगे

एजेंसी इस्लामाबाद

पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने अफगानिस्तान को युद्ध की चेतावनी दी है। उन्होंने अफगान तालिबान को भारत का प्रॉक्सी बताया और तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान को पनाह देने का आरोप लगाया। ख्वाजा आसिफ ने कहा कि अगर तालिबान नहीं मानता है तो पाकिस्तान उसी तरह जवाब देगा जैसा उसने पिछले साल भारत के खिलाफ दिया था। पाकिस्तान का दावा है कि उसने पिछले साल मई में हुए संघर्ष के दौरान भारत को जबरदस्त शिकस्त दी थी, हालांकि वह अपने दावे के समर्थन में आज तक एक भी सबूत पेश नहीं किया है। वहीं, भारत ने पूरी दुनिया को दिखाया है कि उसने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान कैसे पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों और एयरबेसों को बर्बाद किया था। पाकिस्तान की नेशनल असेंबली को संबोधित करते हुए ख्वाजा आसिफ ने कहाः "अगर वे तैयार नहीं हैं, तो हमने दिल्ली के साथ जो किया, वही हम काबुल के साथ भी करेंगे।" उन्होंने आरोप लगाया कि अफगानिस्तान असल में भारतीय नीति का एक जरिया बन गया है। आसिफ ने कहा, "इस समय, अफगानिस्तान भारत का प्रॉक्सी बन गया है।" उन्होंने आगे जोड़ाः "काबुल हमारे खिलाफ हिंदुत्व की लड़ाई लड़ रहा है।" पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ने आरोप लगाया कि "इस समय दिल्ली और काबुल में कोई फर्क नहीं है।"

पिछले साल मरका-ए-हक में भारत की हार के बाद अल्लाह का शुक्र है वे अब हमारे साथ सीधे टकराव में उतरने की हिम्मत भी नहीं करेंगे। इसलिए, अब पूरी लड़ाई काबुल के जरिए पाकिस्तान के खिलाफ लड़ी जा रही है। आसिफ ने कहा कि पाकिस्तान ने तुर्की, सऊदी अरब और कतर जैसे कूटनीतिक चैनलों के जरिए अफगानिस्तान से बातचीत करने की बार-बार कोशिश की, लेकिन उन कोशिशों का कोई नतीजा नहीं निकला। उन्होंने कहा, "कतर में बातचीत के दौरान, अफगानिस्तान हर बात पर सहमत हो गया था, लेकिन बाद में उसने गारंटी देने से मना कर दिया।" उन्होंने कहाकि काबुल जुबानी तौर पर सहमत होने को तैयार था, लेकिन लिखित में नहीं। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान की मुख्य मांग काबुल से एक लिखित वादा था, जिसमें यह पक्का किया जाए कि अफगान जमीन का इस्तेमाल पाकिस्तान के खिलाफ हमले करने के लिए नहीं किया जाएगा और वहां काम कर रहे आतंकवादियों को बाहर निकाल दिया जाएगा। पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ने आगे कहा कि अगर काबुल आतंकवाद के खिलाफ लिखित भरोसा देता है, तो पाकिस्तान बातचीत के लिए अब भी तैयार है। खैबर पख्तूनख्वा के बन्नू में हाल ही में हुए एक हमले का जिक्र करते हुए आसिफ ने कहा कि कई लोग मारे गए हैं और पाकिस्तानी सेना लगातार कुर्बानियां दे रही है। उन्होंने कहा, "इस हालात की वजह से हमें युद्ध में धकेला जा रहा है," उन्होंने कहा कि अब नई दिल्ली अफगानिस्तान के जरिए काम कर रही है।

ईरान का दूसरे देशों के साथ संबंध भारत के खिलाफ नहीं: पाकिस्तान से दोस्ती पर तेहरान की सफाई

एजेंसी तेहरान

ईरानी विदेश मंत्रालय ने कहा है कि दूसरे देशों के साथ ईरान के संबंध कभी भी भारत के खिलाफ नहीं हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत द्विपक्षीय संबंधों का मकसद किसी तीसरे देश को निशाना बनाना नहीं होना चाहिए। ईरान का यह बयान तब आया है, जब ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची ब्रिक्स (BRICS)देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक के लिए भारत का दौरा करने वाले हैं। भारत में ईरान के पाकिस्तान की बढ़ते संबंधों को लेकर शंका जताई जा रही है। पाकिस्तान, अमेरिका और ईरान के बीच मध्यस्थ के रूप में काम कर रहा है। उसने ईरान के सैन्य विमानों को अमेरिकी हमलों से बचाने के लिए अपने देश में शरण भी दी थी।

ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बाकाई ने कहा कि दूसरे देशों के साथ ईरान के संबंध कभी भी भारत के खिलाफ नहीं रहे हैं। यह अंतरराष्ट्रीय कानून के बुनियादी सिद्धांतों में से एक है कि कोई भी द्विपक्षीय संबंध किसी तीसरे देश के खिलाफ नहीं होना चाहिए। बाकाई ने यह भी कहा कि सैन्य क्षेत्र में ईरान के पास एक महत्वपूर्ण "सरप्राइज़ क्षमता" मौजूद है। उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की धमकियों पर ईरान की प्रतिक्रिया पर भी बात की। ईरानी प्रवक्ता का यह बयान तब आया है, जब दोनों पक्षों के बीच 40 दिनों से चल रहे युद्ध को रोकने के लिए संघर्ष-विराम पर सहमति बने हुए एक महीना बीत चुका था।

बाकाई ने अमेरिका के साथ ईरान के कूटनीतिक तनाव का भी जिक्र किया। उन्होंने 2015 के ईरान परमाणु समझौते से अमेरिका के पीछे हटने और IRGC कुद्स फोर्स के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल कासिम सुलेमानी की हत्या जैसी घटनाओं का उदाहरण दिया। उन्होंने युद्ध को खत्म करने और होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने के लिए ईरान के हालिया जवाबी प्रस्ताव के बारे में भी बताया, जिसे अमेरिका ने अस्वीकार कर दिया था। उन्होंने कहा, "नाकेबंदी अपने आप में युद्ध की घोषणा मानी जाती है।" उन्होंने होर्मुज जलडमरूमध्य संकट और ऊर्जा संकट के लिए अमेरिका और इजरायल को जिम्मेदार ठहराया। पाकिस्तान और ईरान के संबंधों में हाल के दिनों में तेजी देखी गई है। इजरायल और अमेरिकी हमले के बाद दोनों देश एक दूसरे के काफी करीब आए हैं। पाकिस्तान ने अमेरिका और ईरान के बीच खुद को मध्यस्थ के तौर पर स्थापित करने की कोशिश की है। हालांकि, वह मध्यस्थता की आड़ में अपने हितों को साधने की कोशिश कर रहा है। इससे भारत की चिंता बढ़ गई है। ऐसी आशंका है कि पाकिस्तान, ईरान के साथ संबंधों का इस्तेमाल भारत को नुकसान पहुंचाने के लिए कर सकता है।

ट्रंप के बीजिंग पहुंचते ही अमेरिका पर क्यों भड़का चीन ? बोला- संप्रभुता से समझौता बर्दाश्त नहीं

एजेंसी बीजिंग

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीजिंग पहुंचते ही चीन ने वॉशिंगटन की जमकर आलोचना की है। चीन ने यह आलोचना ताइवान को अमेरिकी हथियारों की बिक्री को लेकर की है। उसने अमेरिका से अपने वादों का सम्मान करने को कहा है। चीन ने कहा है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच होने वाली दो दिवसीय बैठकों के दौरान ताइवान निश्चित रूप से चर्चा का विषय होगा। चीन लोकतांत्रिक रूप से शासित ताइवान को अपना क्षेत्र मानता है और बलपूर्वक उस पर अधिकार की धमकी भी देता है। इसके अलावा वह ताइवान के साथ किसी भी देश के संबंधों का कड़ा विरोध भी करता है। दिसंबर में, ट्रंप प्रशासन ने ताइवान के लिए 11 अरब डॉलर के हथियारों के पैकेज की घोषणा की थी, जो अब तक का सबसे बड़ा पैकेज था। इस पर चीन के ताइवान मामलों के कार्यालय की प्रवक्ता झांग हान ने कहा कि ताइवान एक आंतरिक मुद्दा है और यह चीनी लोगों का मामला है। उन्होंने बीजिंग में कहा, "हम अमेरिका द्वारा चीन के ताइवान क्षेत्र के साथ किसी भी प्रकार के सैन्य संबंध बनाने का कड़ा विरोध करते हैं, और अमेरिका द्वारा चीन के ताइवान क्षेत्र को हथियार बेचने का भी कड़ा विरोध करते हैं। यह स्थिति सुसंगत और स्पष्ट है।"

झांग ने आगे कहा कि ताइवान "चीन के मूल हितों का केंद्र" है, और अमेरिका के पिछले प्रशासनों द्वारा किए गए वादों का सम्मान करना "अंतर्राष्ट्रीय दायित्व हैं जिन्हें पूरा करने के लिए अमेरिकी पक्ष कर्तव्यबद्ध है।" वाशिंगटन की "एक चीन" नीति के तहत अमेरिका आधिकारिक तौर पर ताइवान की संप्रभुता पर कोई रुख नहीं अपनाता है, लेकिन बीजिंग के इस रुख को स्वीकार किए बिना मानता है कि यह द्वीप चीन का है। ताइवान चीन का एक हिस्सा है, जो न कभी कोई देश रहा है और न कभी बनेगा। ताइवान की स्वतंत्रता का विरोध करने का हमारा संकल्प चट्टान की तरह मजबूत है और ताइवान की स्वतंत्रता को कुचलने की हमारी क्षमता अटूट है। ट्रंप चीन की यात्रा पर ऐसे समय में जा रहे हैं जब ताइवान की विपक्षी-नियंत्रित संसद ने राष्ट्रपति लाई चिंग-ते द्वारा मांगे गए 40 अरब डॉलर के विशेष रक्षा बजट के केवल दो-तिहाई हिस्से को ही मंजूरी दी है। इस बजट का उपयोग अमेरिकी हथियारों की खरीद के लिए किया जाएगा, लेकिन ड्रोन जैसे घरेलू कार्यक्रमों में कटौती की गई है। एक वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारी ने रविवार को कहा कि अमेरिका इस बात से निराश है कि रक्षा खर्च को जितनी राशि की मंजूरी मिली है, वह वाशिंगटन के अनुसार आवश्यक राशि से कम है।

ताइवान पर ट्रंप से मोलभाव करेगा चीन ताइवान के एक वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारी ने बताया है कि ताइपे के लिए सबसे बड़ा जोखिम यह है कि बीजिंग इस कम किए गए बजट का इस्तेमाल ट्रंप के साथ मोलभाव करने के लिए एक हथियार के तौर पर कर सकता है। अधिकारी ने आगे कहा, "चीन यह तर्क दे सकता है कि ताइवान की विधायिका हथियारों की खरीद का विरोध करती है और अमेरिका को ताइवान के लोगों की इच्छा का सम्मान करना चाहिए - ताकि राष्ट्रपति ट्रंप को ताइवान के लिए रक्षा सहायता रोकने या कम करने के लिए मनाया जा सके।"

काबुल में नया मिशन! भारत-अफगानिस्तान के बीच 46 मिलियन डॉलर की क्या बड़ी डील हुई

एजेंसी नई दिल्ली

भारत और अफगानिस्तान के बीच आर्थिक और तकनीकी सहयोग को नई मजबूती देते हुए 46 मिलियन डॉलर से अधिक की बड़ी डील हुई है। भारतीय कंपनी TCRC ने अफगान नेशनल स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी (ANSA) के साथ समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इस परियोजना के तहत काबुल और अफगानिस्तान के 9 प्रमुख सीमा चौकियों पर एडवांस्ड लैब बनाई जाएंगी। इस समझौते का मुख्य उद्देश्य अफगानिस्तान में आयात-निर्यात से जुड़े उत्पादों की गुणवत्ता जांच और मानक प्रणाली को पहले से और मजबूत करना है। नई लैब्स के जरिए खाद्य पदार्थों, दवाओं, कृषि उत्पादों और औद्योगिक सामानों की टेस्टिंग अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार की जा सकेगी। इससे सीमा पार व्यापार को अधिक पारदर्शी और सुरक्षित बनाने में मदद मिलेगी। काबुल समेत 9 बॉर्डर क्रॉसिंग पर होंगी हाईटेक लैब्स समझौते के तहत काबुल के अलावा अफगानिस्तान की प्रमुख सीमा चौकियों पर आधुनिक उपकरणों से लैस लैब्स स्थापित की जाएंगी। इन प्रयोगशालाओं में गुणवत्ता परीक्षण, प्रमाणन और सुरक्षा मानकों की जांच की सुविधा उपलब्ध होगी। माना जा रहा है कि इससे अफगानिस्तान की व्यापारिक क्षमता और क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को बड़ा फायदा मिलेगा।

विशेषज्ञों का मानना है कि यह डील भारत और अफगानिस्तान के बीच तकनीकी और आर्थिक सहयोग को नई दिशा देने वाली है। राजनीतिक चुनौतियों के बावजूद भारत लगातार अफगानिस्तान में बुनियादी ढांचे, शिक्षा, स्वास्थ्य और क्षमता निर्माण से जुड़े प्रोजेक्ट्स में सहयोग करता रहा है। यह नई साझेदारी दोनों देशों के संबंधों को और मजबूत करने की दिशा में अहम कदम मानी जा रही है, दोनों देशों के लिए यह फायदेमंद है।

पाकिस्तान की धोखेबाजी का पर्दाफाश, सालों से ईरानी मिलिट्री जेट्स को दे रहा था पनाह, अमेरिका हैरान

एजेंसी इस्लामाबाद

अमेरिका और ईरान में मध्यस्थ बने पाकिस्तान की पोल खुल गई है। वह अमेरिका और ईरान दोनों से फायदा उठाने की कोशिश कर रहा है। हाल में ही अमेरिकी मीडिया ने बताया है कि पाकिस्तान ने अमेरिका और इजरायल के हमलों से बचाने के लिए ईरानी सैन्य विमानों को अपने एयरबेस पर पनाह दी थी। अब एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि पाकिस्तान लंबे समय से ईरानी सैन्य विमानों को शरण देता रहा है। उसने न सिर्फ मध्य पूर्व में चल रहे युद्ध के दौरान, बल्कि किसी भी दूसरे संघर्ष में ईरानी लड़ाकू विमानों की मेजबानी की है। एनडीटीवी की रिपोर्ट के अनुसार, जुलाई 2025 के एक यूट्यूब वीडियो में दिखा है कि कराची एयरपोर्ट के रनवे पर ईरानी ट्रांसपोर्ट और हवाई रिफ्यूलिंग टैंकर खड़े हैं। यह घटना इजरायल के 'ऑपरेशन राइजिंग लायन' खत्म होने के कुछ हफ्तों बाद की है। इस दौरान इजरायल ने ईरान की परमाणु फैसिलिटी पर जबरदस्त हवाई हमले किए थे। रिपोर्ट में बताया गया है कि यह वीडियो CBS News की उस रिपोर्ट के एक दिन बाद सामने आया है, जिसमें बताया गया था कि पाकिस्तान इस समय ईरानी विमानों को पनाह दे रहा है। इससे पाकिस्तान की निष्पक्षता पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। हालांकि, पाकिस्तान ने इन दावों को फर्जी बताया है। उसका कहना है कि ईरानी विमान अमेरिका के साथ वार्ता के पहले राउंड में शामिल होने के लिए उनके देश पहुंचा था।

CBS News की रिपोर्ट में बताया गया था कि 25 अप्रैल को पाकिस्तान के नूर खान एयरबेस पर ईरानी वायुसेना के RC-130H Khofash विमान को देखा गया था। इसकी एक हाई-रिज़ॉल्यूशन सैटेलाइट तस्वीर भी सामने आई थी। RC-130H, ईरान द्वारा दशकों से इस्तेमाल किए जा रहे मशहूर C-130 'हरक्यूलिस' विमान का एक खास इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर वेरिएंट है। ईरान इसका इस्तेमाल जासूसी और टोही मिशन के लिए करता है।

Intel Lab के शोधकर्ता डेमियन साइमन ने बताया कि यह विमान 11 और 12 अप्रैल 2026 के बीच नूर खान एयरबेस पर पहुंचा था और कम से कम 12 मई 2026 तक, यानी अपने आगमन के लगभग एक महीने बाद तक, वहीं जमीन पर खड़ा रहा। इस पूरे समय के दौरान यह विमान उसी जगह पर खड़ा रहा। सीनेट हाउस एप्रोप्रिएशन्स कमेटी की सुनवाई को संबोधित करते हुए, अमेरिकी सीनेटर ग्राहम ने अमेरिकी रक्षा सचिव पीट हेगसेथ और जॉइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के चेयरमैन जनरल डैन केन से कहा कि उन्हें पाकिस्तान पर भरोसा नहीं है।

एशियाई खेलों से पहले बड़ा विवाद, नंबर-1 शूटर और ब्रॉन्ज मेडल जीतने वाले जोरावर संधू भारतीय टीम से बाहर

एजेंसी नई दिल्ली

विश्व चैंपियनशिप कांस्य पदक विजेता जोरावर सिंह संधू को राष्ट्रीय ट्रायल्स में खराब प्रदर्शन के कारण एशियाई खेलों की संभावित भारतीय टीम से बाहर कर दिया गया। एनआरएआई ने चयन नीति में बदलाव से साफ इनकार कर दिया है। अक्टूबर 2023 में चीन के हांगझू में एशियाई खेलों में पुरुषों की ट्रैप टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतने वाले भारतीय निशानेबाज टोंडाइमन पीआर, कीनान चेनाई और जोरावर सिंह संधू। (ANI फाइल फोटो) एशिया में नंबर एक और विश्व रैंकिंग में छठे नंबर के ट्रैप निशानेबाज जोरावर सिंह संधू को इस वर्ष के आखिर में होने वाले एशियाई खेलों के लिए भारत की संभावित शॉटगन टीम में शामिल नहीं किया गया है। यह तब है जब वह देश के शीर्ष ट्रैप निशानेबाजों में से एक हैं और उन्होंने पिछले वर्ष विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता था। राष्ट्रीय चैंपियनशिप और घरेलू चयन ट्रायल के दौरान जोरावर का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था। विश्व चैंपियनशिप और विश्व कप फाइनल्स की तैयारी में व्यस्त होने के बावजूद उनके लिए इन प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेना अनिवार्य था। राष्ट्रीय ट्रायल्स में निराशाजनक प्रदर्शन के कारण उन्हें एशियाई खेलों के लिए संभावित टीम में जगह नहीं मिली है। वह एक महीने पहले तक विश्व रैंकिंग में चौथे स्थान पर थे।

जोरावर ने भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) से अपने फैसले पर फिर से विचार करने का आग्रह किया है। उन्होंने तर्क दिया है कि पिछले छह महीनों में भारतीय ट्रैप निशानेबाजों में उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सर्वश्रेष्ठ स्कोर हासिल किया है। एनआरएआई ने हालांकि स्पष्ट किया है कि वह डेढ़ साल पहले लागू की गई चयन नीति का सख्ती से पालन करेगा। सिराज नंबर 1, भुवी-शमी भी टॉप 5 में, बुमराह के चौंकाने वाले आंकड़े; देखें IPL 2026 में सबसे ज्यादा डॉट बॉल फेंकने वाले गेंदबाज NRAI महासचिव पवन कुमार सिंह ने कहा कि पुरुषों की संभावित ट्रैप टीम में बदलाव होने की संभावना नहीं है। इस टीम में कीनान चेनाई, अहवर रिजवी और शपथ भारद्वाज शामिल हैं। ये सभी 19 सितंबर से चार अक्टूबर तक आइची-नागोया में होने वाले एशियाई खेलों में हिस्सा लेंगे। 47 वर्षीय जोरावर पिछले साल अक्टूबर में एथेंस में विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतकर ट्रैप शूटिंग में पदक जीतने वाले तीसरे भारतीय निशानेबाज बने थे। उन्होंने विश्व कप फाइनल्स में भी पदक दौर तक जगह बनाई, लेकिन आखिर में सातवें स्थान पर रहे। जोरावर के हवाले से समाचार एजेंसी पीटीआई ने लिखा, एनआरएआई को टीम के चयन पर फिर से विचार करना चाहिए, लेकिन उनका फैसला जो भी होगा उसे मुझे स्वीकार करना होगा। मैं अभी एशिया का नंबर एक और विश्व में छठे नंबर का निशानेबाज हूं। इसे ध्यान में रखते हुए महासंघ को अपने फैसले पर फिर से विचार करना चाहिए। मैंने इस महीने कजाकिस्तान में हुए विश्व कप में भारतीय खिलाड़ियों में सर्वश्रेष्ठ स्कोर बनाया था। पवन सिंह ने हालांकि ऐसी किसी संभावना से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा, यह लगभग 99 प्रतिशत तय है कि यही टीम एशियाई खेलों में हिस्सा लेगी। चयन नीति का ऐलान एक साल पहले हो गया था और अगर अब हम टीम में नाम बदलने लगे तो निशानेबाजी और बाकी खेलों में कोई फर्क नहीं रह जाएगा।

हांसी फ्लिक पर बार्सिलोना का बढ़ा भरोसा, लगातार दूसरी ला लीगा जीत के बाद 2028 तक बढ़ाया कॉन्ट्रेक्ट

एजेंसी नई दिल्ली

बार्सिलोना ने अपने मुख्य कोच हांसी फ्लिक के भविष्य को लेकर बड़ा फैसला ले लिया। क्लब ने आधिकारिक तौर पर जर्मन कोच हांसी फ्लिक का अनुबंध 2028 तक बढ़ा दिया हैं। बता दें कि फ्लिक का मौजूदा करार अगले सीजन तक था, लेकिन क्लब ने उनकी शानदार सफलता को देखते हुए एक साल का विस्तार और अतिरिक्त एक साल का विकल्प भी शामिल किया है।

गौरतलब है कि रविवार को खेले गए एल क्लासिको मुकाबले में बार्सिलोना ने रियल मैड्रिड को हराकर ला लीगा खिताब अपने नाम किया था। इस जीत के साथ टीम ने लगातार दूसरी बार लीग ट्रॉफी जीती और फ्लिक के नेतृत्व में क्लब का दबदबा फिर मजबूत होता दिखा है।

मौजूद जानकारी के अनुसार 61 वर्षीय हांसी फ्लिक ने अनुबंध बढ़ने के बाद खुशी जाहिर करते हुए कहा कि क्लब ने उन्हें और उनकी टीम को भरोसा दिया है। उन्होंने कहा कि बार्सिलोना जैसे बड़े क्लब में लंबे समय का करार हमेशा

जरूरी नहीं होता और सीमित लेकिन भरोसेमंद समझौता दोनों पक्षों के लिए बेहतर रहता है।

बता दें कि हांसी फ्लिक ने साल 2024 में पूर्व कोच जावी हर्नांडेज की जगह बार्सिलोना की कमान संभाली थी। अपने पहले ही सीजन में उन्होंने क्लब को कोपा डेल रे खिताब दिलाया और अब लगातार दूसरी ला लीगा जीत के साथ अपनी छाप और मजबूत कर दी है।

फ्लिक के लिए यह समय निजी तौर पर भी काफी भावुक रहा। मौजूद जानकारी के अनुसार एल क्लासिको मुकाबले से पहले उनके पिता का निधन हो गया था। मैच शुरू होने से पहले स्टेडियम में एक मिनट का मौन भी रखा गया था। इसके बावजूद फ्लिक ने टीम के साथ बने रहकर खिताबी मुकाबले में जीत दिलाई, जिसकी काफी चर्चा हो रही है।

गौरतलब है कि हांसी फ्लिक इससे पहले बायर्न म्यूनिख और जर्मनी की राष्ट्रीय टीम के साथ भी बड़ी सफलताएं हासिल कर चुके हैं। बायर्न म्यूनिख के साथ उन्होंने बुंडेसलीगा, चैम्पियंस लीग और क्लब विश्व कप जैसे बड़े खिताब जीते थे। अब बार्सिलोना प्रबंधन को उम्मीद है कि फ्लिक आने वाले वर्षों में क्लब को यूरोप में भी नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएंगे।

आरसीबी ने केकेआर को हराया, पॉइंट्स टेबल में टॉप पर पहुंची

एजेंसी रायपुर

कोलकाता नाइट राइडर्स को आईपीएल 2026 के 57वें मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ 6 विकेट से हार मिली है। शहीद वीर नारायण सिंह अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में बारिश के चलते देरी से शुरू हुआ। हालांकि, ओवरों में कटौती नहीं की गई। पहले खेलते हुए केकेआर ने 4 विकेट पर 192 रन बनाए। जवाब में आरसीबी ने विराट कोहली के शतक की मदद से आखिरी ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया। इस जीत के साथ आरसीबी के 12 मैचों में 16 पॉइंट हो गए हैं और टीम टेबल में टॉप पर पहुंच गई है। गुजरात टाइटंस के भी 16 पॉइंट हैं लेकिन नेट रन रेट के मामले में आरसीबी बेहतर है। वहीं 11 मैच में 9 पॉइंट के साथ केकेआर 8वें नंबर पर है।

विराट कोहली पिछले दो मैच में जीरो पर आउट हुए थे। लेकिन इस मुकाबले में उन्होंने दमदार बैटिंग की। दूसरे ओवर में वैभव अरोरा के खिलाफ उन्होंने चार चौके मारकर इरादे साफ कर दिए। 58 गेंदों पर लीग में उन्होंने अपना 9वां आईपीएल और 10वां टी20 शतक पूरा किया। विराट 105 रन बनाकर नाबाद रहे। 60 गेंदों की पारी में उन्होंने 11 चौके और तीन छक्के मारे। इस दौरान विराट कोहली ने टी20 में अपने 14000 रन भी पूरे किए।

लक्ष्य का पीछा करने उतरे जैकब बेथेल पहले ओवर में कई बार बीट हुए। इसके बाद विराट ने अपने हाथ में जिम्मेदारी ली। कार्तिक त्यागी की गेंद पर बेथेल 15 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद विराट के देवदत्त पडिक्कल का साथ मिला। दोनों के बीच 59 गेंदों पर 92 रनों की साझेदारी हुई। 27 गेंदों पर पडिक्कल ने 39 रन बनाए। उनका विकेट भी कार्तिक त्यागी ने ही लिया। कप्तान रजत पाटीदार 8 गेंद पर 11 और टिम डेविड 3 गेंद पर 2 रन ही बना पाए। आखिरी ओवर की पहली गेंद पर चौका मारकर जितेश शर्मा ने मैच फिनिश किया। कार्तिक त्यागी ने तीन विकेट झटके।

बारिश की वजह से मैच भारतीय समय अनुसार रात 8 बजकर 45 मिनट पर शुरू हुआ। फिन एलन और कप्तान अजिंक्य रहाणे ने पहले विकेट के लिए 23 रन की साझेदारी की। एलन 8 गेंदों में 18 रन बनाकर पवेलियन लौटे। इसके बाद रहाणे ने अंगकृष रघुवंशी के साथ दूसरे विकेट के लिए 13 गेंदों में 25 रन की साझेदारी करते हुए टीम को 48 के स्कोर तक पहुंचाया। रहाणे ने 13 गेंदों में 4 बाउंड्री के साथ 19 रन की पारी खेली।

अंगकृष ने कैमरून ग्रीन के साथ तीसरे विकेट के लिए 46 गेंदों में 68 रन की साझेदारी करते हुए टीम को 116 के स्कोर तक पहुंचा दिया। कैमरून 24 गेंदों में 32 रन बनाकर पवेलियन लौटे, जिसके बाद अंगकृष ने रिंकू सिंह के साथ चौथे विकेट के लिए 46 गेंदों में 76 रन की साझेदारी करते हुए टीम को 192 के स्कोर तक पहुंचाया। अंगकृष रघुवंशी 46 गेंदों में 3 छक्कों और 7 चौकों के साथ 71 रन बनाकर आउट हुए, जबकि रिंकू सिंह ने 29 गेंदों में 49 रन की नाबाद पारी खेली। विपक्षी खेमे से भुवनेश्वर कुमार, जोश हेजलवुड और रासिख सलाम डार ने 1-1 विकेट निकाला।

किदांबी श्रीकांत ने 5 साल बाद लिया वर्ल्ड चैंपियनशिप में मिली हार का बदला, थाईलैंड ओपन में पीवी सिंधु का भी विजयी आगाज

एजेंसी नई दिल्ली

दुनिया के पूर्व नंबर 1 शटलर और स्टार भारतीय बैटमिंटन खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत ने थाईलैंड ओपन सुपर 500 टूर्नामेंट में जीत से आगाज किया है। उन्होंने पहले राउंड में सिंगापुर के लो कीन यू को हराया और 5 साल छोटे खिलाड़ी से 2021 वर्ल्ड चैंपियनशिप फाइनल में मिली हार का बदला लिया। श्रीकांत के लिए वहां एक जीत उनका करियर बदल सकती थी। मगर उस हार ने उनके करियर के ग्राफ को लगातार नीचे ही गिराया। अब उम्मीद है यह जीत उन्हें आत्मविश्वास देगी।

किदांबी श्रीकांत ने लो कीन यू को सीधे गेम में 21-14, 21-15 से शिकस्त दी। अब दूसरे राउंड में उनका सामना चीनी ताइपे के सू लि यांग से होगा। निश्चित ही यह जीत उन्हें स्पेन में आयोजित 2021 वर्ल्ड चैंपियनशिप फाइनल की याद दिलाएगी। श्रीकांत इस जीत से पहले लो कीन को सिर्फ एक बार ही कॉमनवेल्थ गेम्स 2018 में हरा पाए थे। उसके अलावा तीन बार सिंगापुर के शटलर ने उन्हें मात दी

थी। अब पांच मैचों में दो बार श्रीकांत जीत चुके हैं। श्रीकांत के अलावा थाईलैंड ओपन में भारत की दो बार की ओलंपिक मेडलिस्ट पीवी सिंधु ने भी विजयी आगाज किया और पहले राउंड में चीनी ताइपे की तुंग सियू तोंग को मात दी। इस जीत के बाद सिंधु ने भी दूसरे राउंड में जगह बना ली है। पीवी सिंधु दूसरे राउंड में डेनमार्क की अमेली शूल्ज से भिड़ेंगी। अन्य मैचों की बात करें तो एशियाई चैम्पियनशिप के फाइनल तक पहुंचे आयुष शेट्टी को जापान के छठी वरीयता प्राप्त कोडाइ नराओका के खिलाफ 13-21, 21-17, 4-21 से पराजय झेलनी पड़ी। जबकि तरूण मन्नेपल्ली जापान के ही कोकी वातानाबे से 12-21, 16-21 से हार गए। उन्नति हुड्डा और अनमोल खरब को क्रमशः थाईलैंड की चौथी वरीयता प्राप्त पोर्नपावी चोचुवोंग और चीन की दूसरी वरीयता प्राप्त चेन यू फेइ ने हराया। हुड्डा को 21-11, 17-21, 16-21 से पराजय मिली जबकि खरब को टोक्यो ओलंपिक चैम्पियन ने 21-19, 13-21, 18-21 से हराया।

व्यापार

ईपीएफओ करने जा रहा यह बड़ा बदलाव, 7 करोड़ कर्मचारियों पर सीधे पड़ेगा असर

एजेंसी नई दिल्ली

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) के कामकाज के तरीके में बड़ा बदलाव आने वाला है। इसका सीधा इम्पैक्ट ईपीएफओ के सात करोड़ से ज़्यादा मेंबर्स पर होगा। रिटायरमेंट फंड बॉडी जल्द ही फाइनल प्रोविडेंट फंड विदड्रॉल के क्लेम निपटाने की प्रक्रिया को ऑटोमेटेड कर देगी। इससे एप्लीकेंट के बैंक खातों में पैसे ट्रांसफर होने की प्रक्रिया तेज हो जाएगी। बुधवार को एक टॉप अधिकारी ने यह जानकारी दी।

नए लेबर कोड्स पर एसोचैम के नेशनल समिनार पहुंचे ईपीएफओ के सेंट्रल प्रोविडेंट फंड कमिश्नर रमेश कृष्णमूर्ति ने कहा, 'हम, जहां तक संभव हो, अभी के लिए ऑटो-निपटान शुरू करने जा रहे हैं... जो (पहले) केवल एडवांस के लिए उपलब्ध था। अब हम फाइनल विदड्रॉल के ऑटो-सेटेलमेंट की ओर बढ़ रहे हैं।'

उन्होंने आगे कहा कि अगर कोई मेंबर अपना इम्प्लॉयर (कंपनी) बदलता है तो ईपीएफओ प्रोविडेंट फंड खातों के ऑटो-सेटेलमेंट और ऑटो-ट्रांसफर की सुविधा शुरू करने जा रहा है। उन्होंने बताया, 'अब आपको कोई फॉर्म भरने की जरूरत नहीं है। हम आपके खातों को आपके

सबसे नए मेंबर अकाउंट में ऑटो-माइग्रेट करने की कोशिश करेंगे।'

नए लेबर कोड्स के बारे में बात करते हुए कृष्णमूर्ति ने कहा कि परिभाषाओं और अन्य शब्दों को सरल बनाने, संहिताबद्ध करने और स्टैंडर्डाइज करने के लिए बड़े पैमाने पर प्रयास किए गए हैं।

कृष्णमूर्ति ने कहा कि अधिसूचनाओं का अगला सेट विशेष रूप से ईपीएफओ से जुड़ा है। इसे जल्द ही प्रकाशित किया जाएगा। नए कानूनी फ्रेमवर्क के तहत, तीन योजनाओं को भी फिर से नोटिफाई किया जाएगा। इनमें ईपीएफ स्कीम 1952, कर्मचारी जमा लिंक्ड बीमा योजना 1976 और कर्मचारी पेंशन योजना 1995 शामिल है।

अधिकारी ने बताया, 'हमने कोई बड़े बदलाव नहीं किए हैं। हमने अतीत से मिली सभी सीखों को शामिल करने की कोशिश की है। हमने सेंट्रल बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज की ओर से हाल ही में मंजूर किए गए सभी फैसलों को शामिल किया है। इनमें निकासी को आसान बनाना और अन्य ऐसे सुधार शामिल हैं। साथ ही छूट प्राप्त ट्रस्ट से जुड़े प्रावधानों में भी बड़ा बदलाव किया गया है। इन सभी को नई योजनाओं में शामिल किया गया है।'

इस मौके पर केंद्रीय श्रम सचिव वंदना गुरनानी ने कहा कि श्रम संविधान की समवर्ती सूची में आता है। राज्य अपने खुद के नियम बनाएंगे।

उन्होंने कहा कि सरकार का मूल विचार कम्प्लायंस को कम करने, व्यापार करने में आसानी, व्यापार के विस्तार में आसानी और यह सुनिश्चित करने के बीच संतुलन बनाना रहा है कि श्रमिकों के हितों की अनदेखी न हो।

वंदना गुरनानी ने बताया कि अब यह जिम्मेदारी उद्योग जगत पर है कि वे यह सुनिश्चित करें कि इन सुधारों को केवल कम्प्लायंस की एक चेकलिस्ट के तौर पर न देखा जाए। इसके बजाय इसे प्रोडक्टिव वर्कफोर्स के प्रति एक प्रतिबद्धता के तौर पर अपनाया जाए।

अडानी के साथ उड़ेगी उबर, अहमदाबाद में हुई खास मीटिंग, भारत में बनेगा कंपनी का पहला डेटा सेंटर

एजेंसी नई दिल्ली

कैब सर्विस कंपनी उबर भारत में अडानी ग्रुप के साथ मिलकर पहला डेटा सेंटर स्थापित करेगी। इसकी वजह देश का कंपनी के लिए बड़े इनोवेशन हब के रूप में उभरना है। यह जानकारी उबर के सीईओ दारा खोसरोशाही ने बुधवार को दी। अडानी समूह के चेयरमैन गौतम अडानी से मुलाकात के बाद डेवलपमेंट के बारे में जानकारी शेयर करते हुए उबर के सीईओ ने कहा कि भारत तेजी से वैश्विक मोबिलिटी प्लेटफॉर्म के लिए एक अग्रणी इनोवेशन केंद्र बन रहा है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 'आज सुबह अहमदाबाद में गौतम अडानी से मिलकर बहुत अच्छा लगा और अडानी ग्रुप के साथ हमारी मौजूदा साझेदारी को और मजबूत करने का अवसर मिला।' प्रस्तावित डेटा सेंटर से भारत में उबर के बढ़ते टेक्नोलॉजी और इनोवेशन कार्यों को समर्थन मिलने की उम्मीद है। भारत कंपनी के लिए न केवल मोबिलिटी सेवाओं में, बल्कि इंजीनियरिंग और उत्पाद विकास में भी

एक महत्वपूर्ण बाजार बन गया है। कंपनी के सीईओ ने कहा कि इस साल के अंत तक तैयार होने वाला यह निवेश हमें भारत से दुनिया भर के लिए बड़े पैमाने पर विकास करने में मदद करेगा। जैसे-जैसे भारत उबर के लिए एक प्रमुख इनोवेशन केंद्र के रूप में तेजी से उभर रहा है, हम अपनी तकनीक का परीक्षण और तैनाती करने के लिए अडानी ग्रुप के साथ देश में अपना पहला डेटा सेंटर स्थापित कर रहे हैं। तेजी से विस्तार कर रहा अडानी ग्रुप यह नवीनतम साझेदारी की घोषणा ऐसे समय में हुई है जब अडानी ग्रुप भारत में अपने डिजिटल बुनियादी ढांचे का तेजी से विस्तार कर रहा है। पिछले महीने, अडानी ग्रुप की एजकॉनेक्स के साथ संयुक्त डेटा सेंटर कंपनी अडानीकॉनेक्स ने विशाखापत्तनम में 1 गीगावॉट के एआई-रेडी डेटा सेंटर प्लेटफॉर्म विकसित करने का ऐलान किया था। 28 अप्रैल को जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार, इस महत्वाकांक्षी परियोजना में अडानी ग्रुप द्वारा लगभग 10 अरब डॉलर का निवेश किया जाएगा। गूगल के साथ इस परियोजना में इन्फ्रास्ट्रक्चर भागीदार के रूप में, अडानीकॉनेक्स एक मजबूत और एकीकृत ऊर्जा पारिस्थितिकी तंत्र द्वारा समर्थित, स्केलेबल, एआई-रेडी डेटा सेंटर इन्फ्रास्ट्रक्चर विकसित कर रहा है। डेटा सेंटर सेक्टर की रेस में मुकेश अंबानी भी शामिल हैं। उनकी कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज (RIL) आंध्र प्रदेश के विशाखापट्टनम में भारत का सबसे बड़ा डेटा सेंटर क्लस्टर स्थापित करने जा रही है। मुकेश अंबानी की यह कंपनी इस परियोजना में 1.6 लाख करोड़ रुपये (17 अरब डॉलर से ज्यादा) का निवेश करेगी। यह परियोजना 1.5 गीगावॉट क्षमता वाली होगी, जो भारत में अब तक की सबसे बड़ी डेटा सेंटर परियोजना मानी जा रही है।

220 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ेंगी ट्रेनें, पीएम मोदी ने चला दी कलम, 20,667 करोड़ मंजूर

एजेंसी नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता वाली आर्थिक मामलों की कैबिनेट समिति (सीसीईए) ने एक नई रेलवे लाइन को मंजूरी दी है। इसके बाद भारतीय पटरियों पर जल्द ही 220 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से ट्रेनें दौड़ सकती हैं। सीसीईए ने बुधवार को अहमदाबाद (सरखेज) - धोलेरा सेमी हाई-स्पीड डबल लाइन प्रोजेक्ट को हरी झंडी दे दी। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि इस नई रेलवे लाइन से साबरमती से धोलेरा तक का सफर 48 मिनट में पूरा हो जाएगा। 20,667 करोड़ रुपये होंगे खर्च

कैबिनेट की रिलीज के अनुसार,

यह प्रोजेक्ट रेल मंत्रालय के तहत लगभग 20,667 करोड़ रुपये के अनुमानित निवेश से पूरा किया जाएगा।

यह कॉरिडोर भारतीय रेलवे का पहला सेमी हाई-स्पीड रेल प्रोजेक्ट होगा।

इसे स्वदेशी तकनीक का इस्तेमाल करके विकसित किया जाएगा।

भविष्य के रेल नेटवर्क के लिए बनेगा मिसाल प्रस्तावित रेल लाइन से अहमदाबाद, धोलेरा स्पेशल इन्वेस्टमेंट रीजन, आगामी धोलेरा इंटरनेशनल एयरपोर्ट और लोथल नेशनल मैरीटाइम हेरिटेज कॉम्प्लेक्स के बीच कनेक्टिविटी बेहतर होने की उम्मीद है। अहमदाबाद और धोलेरा के बीच तेज रेल पहुंच से सफर का समय काफी कम होने की संभावना है। इससे यात्रियों के लिए रोजाना आना-जाना और उसी दिन वापस लौटना ज़्यादा सुविधाजनक हो जाएगा। रिलीज में कहा गया है कि भारत का पहला सेमी हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर होने के नाते इस प्रोजेक्ट से देश भर में इसी तरह के रेल नेटवर्क के भविष्य में चरणबद्ध विस्तार के लिए एक मिसाल कायम होने की उम्मीद है। इस नई रेलवे लाइन का मकसद सीधी कनेक्टिविटी को मजबूत करना और आवाजाही को बेहतर बनाना है। साथ ही भारतीय रेलवे के लिए परिचालन क्षमता और सेवा की विश्वसनीयता को बढ़ाना है।

द्यूत क्रीड़ा के दोष... श्रीकृष्ण ने धृतराष्ट्र को दी थी जुआ रोकने की सलाह

जब दुर्योधन और शकुनि की चाल में फंसकर पांडव द्यूत क्रीड़ा में हार जाते हैं और उन्हें द्रौपदी, राज्य से लेकर स्वयं पांडव भी खुद को हार जाते हैं। लेकिन द्रौपदी को धृतराष्ट से मिलने वर के कारण पांडव और स्वयं को कौरवों से आजाद करा लेती हैं। लेकिन उन्हें राज्य छोड़कर वनवास के लिए जाना होता है। जहां पांडवों, द्रौपदी से मिलने स्वयं श्री कृष्ण आते हैं। जहां पांडवों और द्रौपदी उनसे सभा में न आने का कारण पूछते हैं। इस कठिन समय में श्री कृष्ण अपनी सखी द्रौपदी और पांडवों को समझाते हैं कि आखिर वह क्यों सभा में नहीं आए और क्यों वह धृतराष्ट्र को जुआ रोकने के लिए कहते। आइए आज 'धर्म गाथा' श्रृंखला में जानते हैं महाभारत के वनपर्व खंड में दिए हुए एक अत्यंत मार्मिक प्रसंग के बारे में जिसे स्वयं श्री कृष्ण ने क्यों कहा कि उनकी उपस्थिति मात्र से ही महाभारत का इतिहास बदल सकता था और वे कौन से चार भयानक दुर्गुण हैं, जो मनुष्य का सबसे बड़ा शत्रु है और वह मान-सम्मान, धन-ऐश्वर्य सब छीन लेता है।

श्रीकृष्ण का खेद- अगर मैं वहां होता तो श्रीकृष्ण ने पांडवों की दुर्दशा देखकर न केवल अपनी पीड़ा व्यक्त की, बल्कि उस 'अधर्म' और 'व्यसन' के मनोविज्ञान को भी उन्होंने उनके सामने रखा। श्री कृष्ण ने उनसे कहा कि अगर वह पहले द्वारका में या उसके निकट होते, तो वह अवश्य ही सभा में मौजूद होते और जुए के अनेक दोषों को बतलाकर इसे रोकने का पूरा प्रयास करता। मैं आपके लिए भीष्म, द्रोण, कृप, बाहीक तथा राजा धृतराष्ट्र से कहता कि 'कुरुवंश के महाराज!' आपके पुत्रों को जुआ नहीं खेलना चाहिए, क्योंकि द्यूतसभा में जूए के उन दोषों को स्पष्ट रूप से बताता, जिनके कारण आपको अपने राज्य से वंचित होना पड़ा है तथा जिन दोषों ने पूर्वकाल में वीरसेनपुत्र महाराज नल को राज सिंहासन से हटना पड़ा था।

अक्षद्यूतं महाप्राज्ञ न सेवेत कदाचन।
अक्षद्यूते महाप्राज्ञो नाशमाप्नोति मानवः॥"

अर्थ — बुद्धिमान व्यक्ति को कभी भी जुए नहीं खेलना चाहिए, क्योंकि ये अंत में आपके विनाश का ही कारण बनता है।

श्री कृष्ण आगे कहते हैं कि नरेश्वर.. जूआ खेलने से ऐसा सर्वनाश होता है शायद आप जिसकी कल्पना भी नहीं कर सकते हैं। मैं आपको ऐसे 4 व्यसन के बारे में बताने जा रहा हूं, तो व्यक्ति का सम्मान के साथ हर एक चीज छिन लेती हैं।

श्लोक

स्त्रियो द्यूतम् मृगया पानमेतत्
कामजा दोषचतुष्टयं नृणाम्।"

अर्थ – स्त्री आसक्ति, जुआ, शिकार और मद्यपान। ये मनुष्य के चार बड़े दोष कहे जाते हैं। इसके कारण मनुष्य का पतन अवश्य हो जाता है।

शास्त्रों के निपुण विद्वान भी इन सभी चीजों को निंदनीय मानते हैं। लेकिन द्यूत क्रीड़ा की बात करें, तो जुए के दोष जानने वाले भी इसे गलत मानते हैं। जुए एक ऐसी चीज है, जो एक ही दिन में सारे धन का नाश हो जाता है। इसके साथ ही इसके प्रति जो व्यक्ति की आसक्ति हो जाती है। ऐसे में बिना किसी भोग पदार्थों को बिना जाने, भोगे ही आपका नाश हो जाता है। इसके साथ ही दूसरों के कड़वे बोल भी सुनने को मिलते है।

श्री कृष्ण धृतराष्ट्र से जुए के दोष के बारे में बताते

श्री कृष्ण आगे कहते हैं कि मैं धृतराष्ट्र से मिलकर जुए के ये सभी दोष बतलाता। कुरुवर्धन! मेरे इस प्रकार समझाने-बुझाने पर यदि वे मेरी बात मान लेते, तो कौरवों में शांति बनी रहती और धर्म का भी पालन होता। अगर वो मेरे इन वचनों को किसी तरह से न मानते, तो मैं उन्हें बलपूर्वक भी रोक देता। अगर वहां सुहृद नामधारी शत्रु अन्याय का आश्रय ले इस धृतराष्ट्र का साथ देते, तो मैं उन सभासद जुआरियों को मार डालता।

श्रीकृष्ण के सभा में न होने से पांडवों पर आई ये विपत्ति

पांडवों से श्री कृष्ण कहते हैं कि मैं उन दिनों आनर्त देश में ही नहीं था। इसी के कारण आप लोगों पर यह द्यूतजनित संकट आ गया। कुरुप्रवर पाण्डुनन्दन! जब मैं द्वारका में आया, तब आपके संकट में पड़ने का यथावत समाचार सुना। वह सुनते ही मेरा मन अत्यन्त उद्विग्न हो उठा और मैं तुरंत ही आपसे मिलने के लिए चला आया। आप सब लोग बड़ी कठिनाई में पड़ गये हैं। मैं तो आपको सब भाइयों सहित विपत्ति के समुद्र में डूबा हुआ देख रहा हूं।

अगर आप भी मां लक्ष्मी की कृपा पाना चाहते हैं तो, कुछ आसान उपायों को करके सुख, शांति और समृद्धि प्राप्त कर सकते हैं।

हिंदू धर्म में मां लक्ष्मी को धन-वैभव और सुख-समृद्धि की देवी माना जाता है। कहा जाता है कि जिस घर में मां लक्ष्मी का वास होता है वहां कभी दरिद्रता नहीं आती है। शास्त्रों के अनुसार, शुक्रवार का दिन मां लक्ष्मी को समर्पित होता है। ऐसे में लक्ष्मी प्राप्ति के लिए शुक्र का मजबूत होना भी बेहद जरूरी है। ज्योतिष के कुछ आसान उपायों को अपनाकर मां लक्ष्मी की विशेष कृपा प्राप्त की जा सकती है। आइए डा. मधु प्रिया प्रसाद से जानते हैं लक्ष्मी प्राप्ति के लिए क्या उपाय करना चाहिए।

लक्ष्मी प्राप्ति के उपाय शुक्र को ऐश्वर्य और सुख-सुविधाओं का कारक माना जाता है। ऐसे में शुक्र को मजबूत करने के लिए शरीर की शुद्धि पर ध्यान देना बेहद जरूरी माना जाता है। मिट्टी के बर्तन में खाना खाने से शुक्र मजबूत होता है।

शाम के समय में घर में घी का दीपक जलाना शुभ माना जाता है। शाम के समय को मां लक्ष्मी के आगमन का समय माना जाता है। ऐसे में मुख्य द्वार पर दीपक जलाने से घर में सुख-समृद्धि आती है। शाम के समय घर में झाड़ू लगाने से बचना चाहिए।

लक्ष्मी प्राप्ति के लिए चींटियों को भोजन देना शुभ माना जाता है। आटे में शक्कर और घी डालकर पंजीरी बनाएं और चींटियों को खिलाएं। इस उपाय को मनोकामना पूर्ण करने वाला माना जाता है

धन में वृद्धि के लिए कनक दारा स्तोत्र का नियमित तौर पर पाठ करना चाहिए। इसके अलावा शुक्रवार के दिन व्रत रखने से धन-वैभव की प्राप्ति होती है।

ज्योतिष में सुख शांति और समृद्धि के लिए वृहस्पति का अच्छा होना जरूरी होता है। ऐसे में केले के पेड़ में नियमित रूप से जल डालना और कच्ची हल्दी और चला दाल चढ़ाना लाभकारी माना जाता है।

धन प्राप्ति और आर्थिक परेशानियों से छुटकारा पाने के लिए लिए मछलियों का दाना डालना शुभ माना जाता है। इस उपाय से रुका हुआ धन भी प्राप्त होता है।

वास्तु के अनुसार धन वृद्धि के लिए तिजोरी को दक्षिण-पश्चिम कोने में रखें और इसका मुंह उत्तर दिशा की ओर खुलना चाहिए।

इसके अलावा घर में शीशे को हमेशा उत्तर की दीवार पर लगाना चाहिए। इस उपाय से घर में धन आकर्षित होता है और धन की वृद्धि होती है।

राहु करे परेशान, लाल किताब के उपाय से करें समाधान

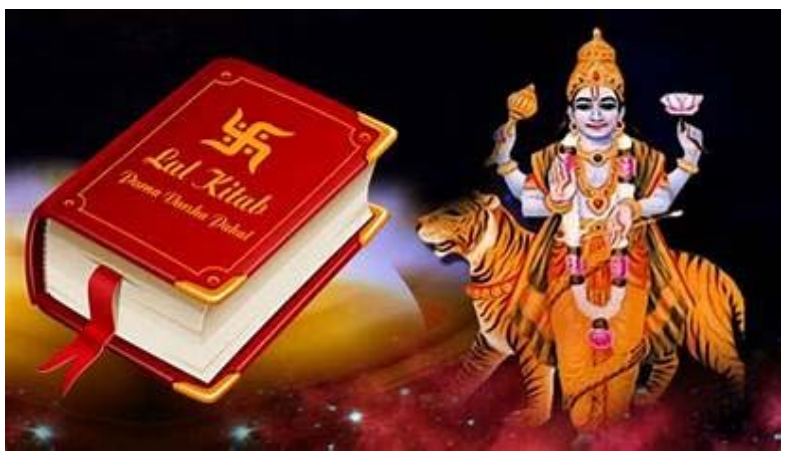

राहु एक छाया ग्रह है इसलिए राहु कभी भी शुभ अशुभ नहीं होता। जिस राशि में राहु बैठा हो उस ग्रह के गुणों के अनुसार, वह शुभ अशुभ होगा। हालांकि, राहु व्यक्ति को रातों रात सफलता प्रदान कर देता है। सोशल मीडिया पर रातों रात चमकाने वाला ग्रह राहु है। राहु जिस पर प्रसन्न हो जाए उसे राजा बना देता है लेकिन, राहु के कमजोर होने पर व्यक्ति को कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ता है। आइए जानते हैं लाल किताब के अनुसार, राहु का कुंडली के सभी 12 भाव में फल और उपाय।

राहु कुंडली के प्रथम भाव में प्रभाव और उपाय राहु अगर किसी व्यक्ति की कुंडली में पहले भाव में है तो ऐसे व्यक्ति का नानी का घर यानी मामा बहुत तरक्की करते हैं। वहीं, अगर इस भाव में बैठा राहु अशुभ हो तो ऐसा व्यक्ति सभी के काम में टांग अड़ाने वाला होता है।

उपाय : लाल किताब में बताया गया है कि ऐसे लोगों को बहते पानी में सिक्का जरूर डालना चाहिए।

तांबे के लोटे में गुड़ भरकर बहते हुए पानी में बहा दें।

राहु अगर खाना नंबर 2 में शुभ हो तो ऐसा व्यक्ति बहुत ही धनवान होता है। ऐसे लोगों को ससुराल से अच्छा लाभ भी मिलता है। वहीं, इस भाव में राहु के अशुभ होने पर व्यक्ति को आर्थिक समस्याओं का सामना करना पड़ता है। राहु दो वाला जातक मंदिर जैसे पवित्र स्थल पर भी चोरी कर सकता है।

उपाय : ऐसे लोगों को केसर का तिलक जरूर लगाना चाहिए।

चांदी का एक ठोस टुकड़ा लेकर उसे अपने गले में डाल लें।

राहु अगर किसी व्यक्ति के तीसरे भाव में शुभ हो तो ऐसे व्यक्ति को अपने भाई बहन से पूरा सुख मिलता है। साथ ही व्यापार आदि में बढ़ोतरी होती है। ऐसा जातक नौकरी करता है तो उसे अच्छी तरक्की मिलती है। ऐसे लोग सबकी मदद करने के लिए तैयार रहते हैं। वहीं, इसके अशुभ होने पर व्यक्ति को भाई बहनों का सुख कम मिलता है। साथ ही शादी के बाद ससुराल वालों से कम बनती है।

उपाय : हाथी का दांत या खिलौना घर में नहीं रखें।

साबुत धनिया जल में प्रवाहित करें।

राहु अगर किसी व्यक्ति की कुंडली के चौथे भाव में होता है तो ऐसे व्यक्ति अपनी मां का सेवक होता है। जमीन जायदाद वाहन आदि का सुख मिलता है। ऐसा व्यक्ति बहुत ही दयालु होता है। वहीं, इस भाव में राहु के अशुभ होने पर व्यक्ति माता के लिए कष्टकारी होता है। साथ ही ससुराल के लिए भी कष्टकारी रहता है।

उपाय : सिक्के के चार टुकड़े जल प्रवाह करें।

मसूर की दाल गरीब व्यक्ति को दें।

कच्चा कोयला जल प्रवाह करें।

राहु अगर कुंडली के पंचम भाव में होता है तो ऐसे व्यक्ति को संतान सुख मिलता है। साथ ही ऐसे व्यक्ति को सरकार से लाभ मिलता है। वहीं, इस भाव में अगर राहु मीन राशि में होता है तो व्यक्ति बहुत ही धनवान होता है। वहीं, अशुभ होने पर व्यक्ति को संतान सुख नहीं मिलता है। ऐसा व्यक्ति थोड़ा शरारती होता है।

उपाय : रात में अपने सिर के पास मूली रखकर उसे अगले दिन मंदिर में दान दे दें।

अपने घर की दहलीज के नीचे चांदी का पतरा लगाएं।

अगर राहु किसी व्यक्ति की कुंडली में छठे भाव में होता है तो ऐसा व्यक्ति पक्के इरादे वाला होता है। साथ ही ऐसे लोग अपने शत्रुओं पर आसानी से विजय हासिल करते हैं। विदेश यात्रा पर जाने का योग भी बनते हैं। यहां बैठा राहु किसी भी परेशानी से अचानक बचा लेता है। वहीं, अगर राहु खाना नंबर 6 में अशुभ होता है तो ऐसा व्यक्ति शत्रुओं से परास्त होता है। अचानक धन हानि हो सकती है।

उपाय : सरस्वती माता की उपासना करें।

काले कुत्ते को रोटी खिलाएं

अगर कुंडली में राहु शुभ हो तो ऐसे व्यक्ति की शादीशुदा जिंदगी काफी अच्छी होती है। साथ ही ऐसे लोग व्यापार और साझेदारी में लाभ पाते हैं। वहीं, अशुभ होने पर व्यक्ति की शादीशुदा जिंदगी अच्छी नहीं होती है साथ ही ससुराल से कष्ट मिलता है। साझेदार भी धन हानि करवाते हैं।

उपाय : ऐसे लोग 21 वर्ष में शादी न करें।

एक बर्तन में गंगा जल भरकर उसपर टांके लगाकर बंद करके अपने घर में रखें

इस भाव में बैठा राहु व्यक्ति के भाग्य को चमका देता है। साथ ही खाली तिजोरी भी धन से भर देता है। साख ही ससुराल से भी संबंध अच्छे रहेंगे। अशुभ होने पर व्यक्ति का पैसा झगड़े आदि में खर्च होता है। जातक की कोई भी व्यक्ति मदद नहीं करता है।

उपाय : चांदी का चौरस टुकड़ा मददगार होगा।

जो सिक्के बाजार में नहीं चलते वो खोटे सिक्के जल प्रवाह करें।

अगर किसी व्यक्ति की कुंडली में राहु नौवें भाव में होता है तो ऐसे व्यक्ति का भाग्य छोटी उम्र में जाग जाता है। ऐसे लोग यात्रा में लाभ प्राप्त करते हैं। साथ ही ऐसे लोग धार्मिक होते हैं। वहीं इस भाव में अशुभ राहु व्यक्ति का भाग्य देरी से जगाता है। संतान सुख कम कर देता है।

उपाय : केसर का तिलक करें

अपने सिर पर चोटी रखें

राहु अगर कुंडली के 10वें भाव में होता है तो ऐसे व्यक्ति सरकारी कामों में लाभ पाता है। साथ ही पिता का सुख भी अच्छा होता है। ऐसे व्यक्ति अच्छे चरित्र वाला होता है। समाज में खूब इज्जत भी पाता है। वहीं, अशुभ होने पर पिता का सुख कम कर देता है। पैतृक संपत्ति का नुकसान करने वाला होता है।

उपाय : नंगे सिर न रहें। सिर पर स्कार्फ या टोपी पहनें बस नीले और काले रंग की टोपी न पहनें।

काले तिल और सरसो काले ये नीले रंग के कपड़े में बांधकर जल प्रवाह करें।

राहु कुंडली के 11वें भाव में अगर शुभ अवस्था में है तो ऐसे व्यक्ति की आय बहुत अच्छी रहती है। साथ ही संतान सुख भी अच्छा मिलता है। ऐसे व्यक्ति अपने पैरों पर अपने आप खड़े गता है। वहीं, अशुभ होने पर व्यक्ति के पिता की आय कम होती है। ससुराल की स्थिति भी अच्छी नहीं होती है।

उपाय : चांदी के गिलास में पानी पिएं।

3 पूर्णिमा लगातार गंगा स्नान करें।

राहु कुंडली के 12वें भाव में होता है तो ऐसा व्यक्ति विदेश यात्रा से लाभ हासिल करता है। विदेश में कारोबार भी हो सकता है। नेक कामों में काफी खर्च करता है। ससुराल और ननिहाल के लिए शुभ होता है। वहीं, अशुभ होने पर विदेश यात्रा से हानि होती है।

आज का राशिफलः शुक्रदेव का राशि परिवर्तन किन-किन राशियों के लिए लाभकारी सिद्ध होगा

मेष राशि आर्थिक रूप से आज का दिन एवरेज रहेगा। बारहवें भाव में चंद्रमा अचानक खर्च करवा सकते हैं। अनावश्यक ऑनलाइन खरीदारी या जोखिम भरे आर्थिक निर्णय लेने से बचें। तीसरे भाव में शुक्र की स्थिति मार्केटिंग, मीडिया, लेखन, बिक्री और संचार से जुड़े क्षेत्रों में काम करने वाले लोगों के लिए मददगार साबित हो सकती है। शाम का समय आर्थिक योजना बनाने के लिए बेहतर होगा।

वृषभ राशि शुक्र का आपके दूसरे भाव में गोचर आपकी बचत और आर्थिक योजना को बल देगा। कुछ जातकों को आर्थिक सहायता या उपयोगी सलाह मिल सकती है।अनावश्यक खर्चों और भावनाओं में आकर किए गए खर्चों से बचें। निवेश पूरी तरह से सावधानीपूर्वक किया जाना चाहिए। संचार, व्यवसाय या नेटवर्किंग के माध्यम से होने वाली आय में धीरे-धीरे सुधार होगा। पूरी जानकारी और दस्तावेजों के बिना किसी को भी पैसा उधार न दें।

मिथुन राशि फाइनेंसियल मामले स्थिर रहेंगे। नेटवर्किंग, बातचीत या टीम वर्क के जरिए लाभ मिलने की संभावना है। शुक्र का गोचर आपके व्यापार, मीडिया, फैशन या रचनात्मक कार्यों में अवसरों को बेहतर बना सकता है। लग्जरी या दिखावे से जुड़ी चीजों पर बिना सोचे-समझे खर्च करने से बचें। कुछ जातकों को अनुभवी लोगों से आर्थिक सलाह मिल सकती है। शाम के समय आर्थिक योजना ज्यादा प्रैक्टिकल तरीके से बनाई जा सकती है।

कर्क राशि बारहवें भाव में शुक्र के गोचर के कारण खर्च बढ़ सकता है। अनावश्यक विलासिता पर खर्च करने और भावनाओं में आकर खरीदारी करने से बचें। आज आर्थिक योजना बहुत सावधानी से बनानी होगी। कुछ लोग यात्रा, सुख-सुविधाओं या पारिवारिक जरूरतों पर खर्च कर सकते हैं। जोखिम भरे निवेश करने या भावनाओं में बहकर किसी को पैसे उधार देने से बचें। सही बजट बनाकर चलने से आर्थिक संतुलन बना रहेगा।

सिंह राशि फाइनेंशियल मामले आज धीरे-धीरे बेहतर होंगे। शुक्र का ग्यारहवें घर में गोचर नेटवर्किंग, बिजनेस और कम्युनिकेशन से फायदा दिलाएगा। कुछ लोगों को दोस्तों या प्रोफेशनल कॉन्टैक्ट से मदद मिल सकती है। जोखिम भरे निवेश या बिना सोचे-समझे खर्च करने के फैसले लेने से बचें। भविष्य के लक्ष्यों से जुड़ी फाइनेंशियल प्लानिंग और मजबूत होगी। पेमेंट में देरी या रुकी हुई बातचीत आपकी तरक्की को धीमा कर सकती है।

कन्या राशि फाइनेंशियल मामले स्थिर रहेंगे, लेकिन ध्यान से प्लानिंग करने की जरूरत है। शुक्र का दसवें घर में गोचर करियर, बिजनेस या कम्युनिकेशन से जुड़े कामों से फायदा दिला सकता है। कुछ लोगों को सीनियर या अनुभवी लोगों से काम की फाइनेंशियल सलाह मिल सकती है। आज बिना सोचे-समझे इन्वेस्टमेंट और इमोशनल खर्च करने से बचें। रुके हुए पेमेंट धीरे-धीरे पुरे होंगे। सही बजट बनाने से संतुलन बना रहेगा।

तुला राशि फाइनेंशियल मामले धीरे-धीरे बेहतर होते नजर आ रहे हैं । शुक्र का नौवें घर में गोचर यात्रा, शिक्षा, कम्युनिकेशन या प्रोफेशनल गाइडेंस से फायदा दिला सकता है। कुछ लोगों को अनुभवी लोगों से काम की फाइनेंशियल सलाह मिल सकती है। आज बेवजह के खर्चों या जोखिम भरे निवेश से बचें। बहुत समय से रुकी फाइनेंशियल बातचीत आगे बढ़ सकती है। सही प्लानिंग लंबे समय तक स्टेबिलिटी बनाए रखने में मदद करेगी।

वृश्चिक राशि फाइनेंशियल मामलों में आज सावधानी से काम करने की जरूरत है। शुक्र का आठवें घर में गोचर जॉइंट फाइनेंस, टैक्स, लोन या शेयर्ड रिसोर्स पर ध्यान खींच सकता है। कुछ लोगों को परिवार या पार्टनरशिप से सपोर्ट मिल सकता है। जोखिम भरे निवेश और इमोशनल खर्च के फैसलों से बचें। सही प्लानिंग से आर्थिक स्थिरता मिलेगी। रुके हुए फाइनेंशियल काम धीरे-धीरे शुरू हो सकते हैं।

धनु राशि ध्यान से प्लानिंग करने से वित्तीय मामलें संतुलित रह सकते हैं। शुक्र का गोचर पार्टनरशिप, बिजनेस, कम्युनिकेशन या पब्लिक डीलिंग से फायदा दिला सकता है। कुछ लोगों को काम की फाइनेंशियल मदद या सलाह मिल सकती है। आज इमोशनल खर्च और जोखिम भरे निवेश से बचें। देर से होने वाली फाइनेंशियल बातचीत आगे बढ़ने की प्रोसेस को धीमा कर सकती है। सही बजट बनाने से लंबे समय तक स्टेबिलिटी बनाए रखने में मदद मिल सकती है।

मकर राशि आर्थिक स्थिरता के लिए सावधानीपूर्वक प्लानिंग करें। शुक्र का छठे भाव में गोचर जॉब या रोजाना के बिजनेस के कामों से फायदा दिला सकता है। कुछ लोग पेंडिंग पेमेंट पूरी कर सकते हैं। लग्जरी या घरेलू चीजों पर इमोशनल खर्च करने से बचें। सही बजट बनाने से फाइनेंशियल बैलेंस बनाए रखने में मदद मिल सकती है। रुके हुए मामले धीरे-धीरे सुधर सकते हैं।

कुंभ राशि सही प्लानिंग से फाइनेंशियल मामले स्टेबल हो सकते हैं। चंद्रमा आपका ध्यान सेविंग्स और परिवार से जुड़े खर्चों पर रख सकते हैं। शुक्र का गोचर क्रिएटिविटी, एजुकेशन, कम्युनिकेशन या स्पेक्युलेटिव एक्टिविटीज से फायदा दिला सकता है। जोखिम भरे निवेश और बिना सोचे-समझे खर्च करने के फैसलों से बचें। कुछ लोगों को अनुभवी लोगों से वित्तीय सलाह मिल सकती है। लंबे समय की वित्तीय योजना धय से बनाएं ।

मीन राशि फाइनेंशियल मामलों को आज सावधानी से निपटाने की जरूरत हो सकती है। चंद्रमा के दूसरे भाव में जाने से बचत और परिवार से जुड़े खर्चों पर ज्यादा ध्यान दिया जा सकता है। शुक्र का गोचर प्रॉपर्टी, घर से जुड़े कामों या परिवार के सपोर्ट से फायदा दिला सकता है। बिना सोचे-समझे खर्च करने और इमोशनल फाइनेंशियल फैसलों से बचें। कुछ लोगों को अनुभवी लोगों से काम की फाइनेंशियल गाइडेंस मिल सकती है। लंबे समय की प्लानिंग ज्यादा प्रैक्टिकल हो सकती है।

घर में छिपकली दिखना शुभ है या अशुभ ? वास्तु एक्सपर्ट से जानें इसके संकेत

घर की दीवारों पर छिपकली का दिखना आम बात है। कुछ लोग छिपकली के दिखने को शुभ और कुछ लोग अशुभता का प्रतीक मानते हैं। शकुन शास्त्र में इसे मां लक्ष्मी के आगमन का संकेत माना जाता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, छिपकली का घर में दिखना कई तरह के संकेत देता है। छिपकली के दिखने को भविष्य के संकेत के तौर पर देखा जाता है। दीवाली के दिन या किसी शुभ अवसर पर छिपकली का दिखना धन लाभ का संकेत माना जाता है। हालांकि, शुभ और अशुभ संकेत के लिए छिपकली के स्थान और उसकी स्थिति को बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। आइए वास्तु गुरु मान्या जी से जानते हैं कि घर में छिपकली का दिखना शुभ या अशुभ संकेत होता है। पूजा घर के पास छिपकली का दिखनाः घर के मंदिर के आसपास छिपकली का दिखना बहुत शुभ माना जाता है। इसे किस्मत चमकने के तौर पर देखा जाता है। पूजा स्थल के आसपास छिपकली का होना सुख-समृद्धि और धन लाभ का संकेत देता है। फर्स पर छिपकली का दिखना का संकेतः फर्स पर छिपकली को चलते हुए देखने को वास्तु शास्त्र में बेहद ही शुभ मानकर देखा जाता है। आर्थिक तरक्की और रुके हुए

पैसों के मिलने के संकेत के तौर पर देखा जाता है। अनाज के पास छिपकली दिखने का संकेतः चावल या गेंहू रखने की जगह पर भी छिपकली का मौजूद होना शुभता का प्रतीक माना जाता है। माना जाता है कि इस स्थान पर छिपकली दिखने से घर में बरकत और खुशहाली आती है। नए घर में छिपकली का दिखनाः नए घर में पहली बार प्रवेश करते समय छिपकली दिखने को बेहद शुभ संकेत के तौर पर देखा जाता है। इसे पूर्वजों के आशीर्वाद माना जाता है, जो घर में सुख-समृद्धि आने का प्रतीक होता है। छिपकलियों का लड़नाः घर में छिपकलियों को आपस में लड़ते देखने को अशुभ संकेत माना जाता है। यह घर में कलेश, लड़ाई-झगड़े, परिवार या दोस्तों के साथ मतभेद की ओर इशारा करता है। मरी हुई छिपकली दिखनाः वास्तु गुरु मान्या के अनुसार, घर में मरी हुई छिपकली दिखाई देना अशुभ संकेत माना जाता है। यह घर में किसी बीमारी या नकारात्मक ऊर्जा के आने का इशारा हो सकता है। काली रंग की छिपकली दिखनाः काले रंग की छिपकली को नकारात्मक संकेत माना जाता है। यह आने वाली परेशानियों या किसी अशुभ घटना की ओर इशारा करती है।

ताप्ती नदी उद्गम पर मिला प्राचीन गोमुख

सफाई अभियान में ऐतिहासिक जल संरचनाएं मिलीं, संरक्षण की मांग

दैनिक कारखाने का सफर। बैतूल

ताप्ती नदी के उद्गम स्थल पर सामाजिक कार्यकर्ताओं और श्रद्धालुओं द्वारा चलाए गए एक व्यापक सफाई अभियान के दौरान एक प्राचीन गोमुख और कई ऐतिहासिक जल प्रवाह संरचनाएं सामने आई हैं। इस खोज ने क्षेत्र की ऐतिहासिक धरोहर के संरक्षण को लेकर नई चिंताएं पैदा कर दी हैं।

सफाई अभियान के दौरान मां ताप्ती के इस प्राचीन गोमुख को साफ किया गया। स्थानीय लोगों का मानना है कि ताप्ती नदी का मूल प्रवाह इसी गोमुख से निकलता है और एक छोटे सरोवर से होकर नदी का रूप लेता है। निरीक्षण में गोमुख के आसपास प्राचीन नक्काशीदार पत्थर और पुरानी संरचनाएं मिली हैं, जो इसकी ऐतिहासिकता को प्रमाणित करती हैं।

अभियान में शामिल लोगों दिनेश कालभोर, गोलू उघड़े ने बताया कि गोमुख के पास लगभग 8 फीट गहरी एक नहरनुमा संरचना भी मिली है। यह प्राचीन जल निकासी व्यवस्था और स्थापत्य कला का एक महत्वपूर्ण उदाहरण प्रतीत होती है। इसके अतिरिक्त, वर्तमान में 'सुलोज गेट' कहे जाने वाले हिस्से को भी प्राचीन गोमुख व्यवस्था का ही एक भाग बताया गया है।

सामाजिक कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया है कि प्राचीन गोमुख की वास्तविक पहचान को मिटाकर उसे नई पहचान देने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने छोटे सरोवर क्षेत्र में मौजूद प्राचीन स्तंभों को तोड़कर अतिक्रमण किए जाने की शिकायतें भी दर्ज कराई हैं।

इस मामले को लेकर स्थानीय लोगों में गहरा आक्रोश है। उनका कहना है कि इतनी महत्वपूर्ण धरोहर को नुकसान पहुंचाए जाने के बावजूद संबंधित अधिकारी और जनप्रतिनिधि चुप्पी साधे हुए हैं। लोगों ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच, प्राचीन संरचनाओं का वैज्ञानिक दस्तावेजीकरण और धरोहर को नुकसान पहुंचाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

सामाजिक कार्यकर्ताओं ने जोर देकर कहा कि मां ताप्ती करोड़ों लोगों की आस्था और संस्कृति का प्रतीक हैं। इसलिए, उद्गम स्थल की ऐतिहासिक पहचान और प्राचीन संरचनाओं का संरक्षण अत्यंत आवश्यक है।

बैतूल में दस साल बाद कोर्ट ने शादी शून्य की

आमला कोर्ट का फैसला, महिला का पहले से था विवाह, तलाक के दस्तावेज नहीं मिले

दैनिक कारखाने का सफर। बैतूल

बैतूल जिले के आमला स्थित जिला एवं अतिरिक्त सत्र न्यायालय ने एक अहम फैसले में 13 अगस्त 2015 को हुए विवाह को शून्य घोषित कर दिया। अदालत ने माना कि विवाह हिंदू विवाह अधिनियम की धारा-5 के प्रावधानों के विपरीत हुआ था, क्योंकि महिला का पहले से विवाह अस्तित्व में था और उसका वैधानिक तलाक नहीं हुआ था।

न्यायालय ने पति की ओर से दायर याचिका स्वीकार करते हुए विवाह को प्रारंभ से ही अमान्य घोषित कर दिया। मामला आमला निवासी युवक द्वारा दायर याचिका से जुड़ा है। याचिकाकर्ता ने अदालत को बताया कि वर्ष 2015 में उसका विवाह छिंदवाड़ा जिले की निवासी युवती से कराया गया था।

बाद में उसे पता चला कि महिला का पूर्व विवाह वर्ष 2011 में हो चुका था और उसका कानूनी तलाक नहीं हुआ था। पति का आरोप था कि महिला और उसके परिजनों ने यह तथ्य छिपाकर शादी कराई।

याचिकाकर्ता के अनुसार, शादी के बाद दोनों के बीच लगातार विवाद होते रहे। महिला ने दहेज प्रताड़ना और भरण-पोषण से जुड़े मामले भी दर्ज कराए थे। पति ने आरोप लगाया कि महिला उसके साथ रहना नहीं चाहती थी और लगातार विवाद करती थी।

वर पक्ष के अधिवक्ता राजेंद्र उपाध्याय के मुताबिक, सुनवाई के दौरान अदालत ने गवाहों के बयान, दस्तावेज और शपथ पत्रों की जांच की। न्यायालय ने पाया कि नोटरी के समक्ष दिया गया शपथ पत्र हिंदू रीति-रिवाजों से संपन्न वैध विवाह का प्रमाण नहीं माना जा सकता। साथ ही महिला के पहले विवाह के समाप्त होने का कोई वैधानिक दस्तावेज भी पेश नहीं किया गया। न्यायालय ने अपने आदेश में कहा कि हिंदू विवाह अधिनियम की धारा-11 के तहत ऐसा विवाह शून्य माना जाएगा। इसके आधार पर 13 अगस्त 2015 को हुआ विवाह निरस्त घोषित कर दिया गया। इस दंपती का एक 8 साल का बेटा भी है, जिसकी कस्टडी को लेकर कोर्ट में अलग से मामला चल रहा है।

फैसले के बाद याचिकाकर्ता को कानूनी राहत मिली है। इसे ऐसे मामलों में अहम माना जा रहा है, जहां पूर्व वैवाहिक स्थिति छिपाकर विवाह किए जाते हैं।

भारत लल्ली चौक रोटरी में गड़बड़ी, हाईमास्ट के पास अतिक्रमण मिला

नगरपालिका अफसरों ने किया निरीक्षण; इंदिरा कन्या विद्यालय भवन कंडम घोषित होगा

दैनिक कारखाने का सफर। बैतूल

बैतूल में शहर की व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के उद्देश्य से नगरपालिका ने व्यापक निरीक्षण अभियान चलाया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और बैतूल विधायक के निर्देश पर शुरू किए गए इस अभियान में गंज क्षेत्र में बनाए गए डिवाइडर और लल्ली चौक रोटरी में कई खामियां सामने आईं। मुख्य नगरपालिका अधिकारी (सीएमओ) नवनीत पांडे के नेतृत्व में अधिकारियों ने शहर के प्रमुख स्थलों का निरीक्षण किया। इस दौरान यातायात व्यवस्था, अतिक्रमण, साफ-सफाई, सार्वजनिक निर्माण कार्यों और जर्जर भवनों की स्थिति की समीक्षा की गई। लल्ली चौक रोटरी में मिला गलत अलाइनमेंट निरीक्षण के दौरान लल्ली चौक स्थित रोटरी में निर्माण संबंधी खामियां और गलत अलाइनमेंट पाया गया। अधिकारियों ने तत्काल सुधार कार्य कराने के निर्देश दिए। हाईमास्ट पोल के आसपास अतिक्रमण मिलने पर उसे हटाने और व्यवस्थित करने की कार्रवाई करने को कहा गया। साथ ही लल्ली चौक के सौंदर्यीकरण के लिए टेंडर प्रक्रिया शुरू करने की बात भी कही गई।

इंदिरा कन्या विद्यालय भवन की जर्जर स्थिति का भी निरीक्षण किया गया। विद्यार्थियों की सुरक्षा को देखते हुए वैकल्पिक व्यवस्था करने और भवन को कंडम घोषित कराने के लिए संबंधित विभाग को पत्र भेजने के निर्देश दिए गए।

गंज क्षेत्र में एचडीएफसी बैंक के सामने बनाए गए डिवाइडर की गुणवत्ता जांच में निर्माण कार्य संतोषजनक नहीं पाया गया। इसके बाद संबंधित ठेकेदार को सुधार कार्य करने के निर्देश दिए गए।

शहर के अन्य सार्वजनिक स्थलों पर भी साफ-सफाई और व्यवस्थाओं की समीक्षा कर नियमित निगरानी बनाए रखने के निर्देश दिए गए। नगरपालिका शॉपिंग कॉम्प्लेक्स और दुकानों के निरीक्षण के दौरान अतिक्रमण और अव्यवस्था मिलने पर कार्रवाई करने को कहा गया। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि नागरिक सुविधाओं और शहर की व्यवस्थाओं को बेहतर बनाए रखने के लिए इस तरह के निरीक्षण आगे भी जारी रहेंगे।

ट्रेन हादसे में घायल महिला 4 दिन से अस्पताल में

परिजनों की तलाश जारी, खुद को लखनादौन का बता रही, पुलिस ने जारी किया नंबर

दैनिक कारखाने का सफर। बैतूल

बैतूल जिला अस्पताल में पिछले चार दिनों से एक अज्ञात महिला भर्ती है। उसे ट्रेन दुर्घटना के बाद गंभीर हालत में अस्पताल लाया गया था। महिला की पहचान अब तक स्पष्ट नहीं हो पाई है, जिसके चलते अस्पताल प्रशासन और जीआरपी पुलिस उसके परिजनों की तलाश कर रही है। जानकारी के अनुसार, महिला ने अपना नाम संध्या और पति का नाम पप्पू बताया है। उसने खुद को सिवनी जिले के लखनादौन क्षेत्र का निवासी बताया है। महिला की उम्र लगभग 40 वर्ष बताई जा रही है। जीआरपी बैतूल पुलिस चौकी प्रभारी रविश कुमार के अनुसार, महिला धाराखोह और मरामझिरी रेलवे स्टेशन के बीच ट्रैक के पास घायल अवस्था में मिली थी। वह वहां कैसे पहुंची और हादसा किन परिस्थितियों में हुआ, यह अभी स्पष्ट नहीं है। पुलिस का मानना है कि महिला मानसिक रूप से अस्थिर प्रतीत हो रही है, जिसके कारण उसके द्वारा दी गई जानकारी की पुष्टि नहीं हो पा रही है। बताए नंबर पर कॉल किया लेकिन पहचान नहीं हुई पुलिस ने महिला द्वारा बताए गए परिवार से संपर्क किया, जहां से जानकारी मिली कि वह पिछले करीब तीन साल से घर से बाहर है और संपर्क में नहीं है। इसके बाद उसकी पहचान की पुष्टि नहीं हो सकी। महिला 9 मई से जिला अस्पताल में डॉक्टरों की निगरानी में भर्ती है और उसका इलाज जारी है। अस्पताल प्रशासन का कहना है कि महिला के परिजनों तक सूचना पहुंचना जरूरी है ताकि उसे उचित देखभाल मिल सके। इस संबंध में संपर्क के लिए मोबाइल नंबर 6260832771 जारी किया गया है। पुलिस और अस्पताल प्रशासन ने आम लोगों से अपील की है कि यदि कोई महिला को पहचानता हो या उसके परिवार की जानकारी रखता हो तो तुरंत संपर्क करें, ताकि उसे परिवार तक पहुंचाया जा सके।

मुलताई में अवैध शराब बेचते 10 आरोपी गिरफ्तार

पुलिस ने 54.900 लीटर देशी शराब जब्त की, जारी रहेगा अभियान

दैनिक कारखाने का सफर। मुलताई

बैतूल जिले में अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत मुलताई पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने बुधवार को अवैध शराब बेचते हुए 10 आरोपियों को गिरफ्तार किया। उनके कब्जे से कुल 54.900 लीटर देशी शराब जब्त की गई, जिसकी अनुमानित कीमत 25,290 रुपये है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक वीरेंद्र जैन के निर्देश, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमला जोशी और एसडीओपी एस.के. सिंह के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी निरीक्षक नरेंद्रसिंह परिहार के नेतृत्व में हुई। पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर मुलताई कस्बा क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर दबिश दी। दबिश के दौरान, गिरफ्तार किए गए आरोपियों से शराब रखने और बेचने का वैध लाइसेंस मांगा गया। हालांकि, कोई भी आरोपी आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका। इसके बाद, सभी के खिलाफ आबकारी अधिनियम की धारा 34(1) के तहत अलग-अलग मामले दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की गई। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में कामथ निवासी पंकज पवार, मनीष अहिरवार, सतवंत साहू, इंदल लबाड़े और सोनिया भूमरकर शामिल हैं। मुलताई निवासी रवि साहू, मनोज कुशवाह, हुकुमचंद साहू, निलेश खैरपारे और दिलीप बामने को भी पकड़ा गया। आरोपियों से 15 से लेकर 70 पाव तक देशी शराब जब्त की गई। सोनिया भूमरकर के पास से सर्वाधिक 70 पाव और दिलीप बामने के पास से 65 पाव शराब बरामद हुई। इस कार्रवाई में उपनिरीक्षक सुनील सरेयाम, उपनिरीक्षक के.एल. गंजाम, सहायक उपनिरीक्षक एम.एल. गुप्ता, सहायक उपनिरीक्षक हुकुमचंद बिल्लोरे, प्रधान आरक्षक सुनील पंद्राम, प्रधान आरक्षक गजराज, आरक्षक हेमंत, प्रिंस, विवेक और सेवाराम की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस अधीक्षक वीरेंद्र जैन ने पुलिस टीम की इस कार्रवाई की सराहना की। उन्होंने कहा कि जिले में अवैध शराब, जुआ, सट्टा और अन्य गैरकानूनी गतिविधियों के खिलाफ यह अभियान लगातार जारी रहेगा। उन्होंने आमजन से भी ऐसी गतिविधियों के संबंध में पुलिस को सूचना देने की अपील की है।

मुलताई में चना खरीदी केंद्र में अनियमितता:किसानों का चना अधिक तौला जा रहा था, समिति प्रबंधक निलंबित

दैनिक कारखाने का सफर। मुलताई

मुलताई के कृषि उपज मंडी समिति स्थित चना खरीदी केंद्र में बुधवार को अनियमितता सामने आई है। निर्धारित मात्रा से अधिक चना तौले जाने की शिकायत सही पाए जाने पर केंद्र प्रभारी एवं समिति प्रबंधक देविदास नरवरे को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। उनके स्थान पर हरीराम बोरबन को केंद्र का प्रभार सौंपा गया है।

शिकायत मिलने के बाद कलेक्टर बैतूल सौरभ संजय सोनवने के निर्देश पर कार्रवाई की गई। अनुविभागीय अधिकारी राजस्व राजीव कहार के मार्गदर्शन में एक संयुक्त जांच दल का गठन किया गया, जिसमें तहसीलदार संजय बरैया, उपायुक्त सहकारिता के.के. शिव, सहायक संचालक कृषि सुरेंद्र पराते और जिला विपणन अधिकारी प्रदीप ग्रेवाल शामिल थे। जांच दल ने चना खरीदी केंद्र पहुंचकर रिकॉर्ड और तौल प्रक्रिया का निरीक्षण किया। जांच में पाया गया कि केंद्र प्रभारी द्वारा शासन द्वारा निर्धारित तौल सीमा से अधिक मात्रा में चने की तुलाई की जा रही थी। मौके पर ही पंचनामा तैयार कर शिकायत की पुष्टि की गई। जांच रिपोर्ट के आधार पर समिति प्रबंधक देविदास नरवरे को तत्काल निलंबित कर दिया गया। उनका मुख्यालय संस्था कार्यालय निर्धारित किया गया है। खरीदी व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए हरीराम बोरबन, जो विक्रेता एवं प्रभारी सहायक प्रबंधक हैं, को केंद्र का नया प्रभार सौंपा गया है। प्रशासनिक अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि उपार्जन कार्य में किसी भी प्रकार की अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। किसानों के हितों की सुरक्षा और खरीदी प्रक्रिया में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए लगातार निगरानी की जा रही है। भविष्य में भी शिकायत मिलने पर त्वरित जांच और कार्रवाई जारी रहेगी।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक मधुवर मोहन द्विवेदी द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस, 11 प्रेस काम्पलेक्स, एमपी नगर जोन-1 भोपाल 462023 म.प्र. से मुद्रित एवं 201 ब्लाक ई, सागर प्रीमियम टावर जेके हॉस्पिटल, कोलार रोड, भोपाल म.प्र. से प्रकाशित।
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल न्यायालय रहेगा) संपादक- सुनील यादव, समाचार संपादक- राहुल कौशिक। फोन नं. 0755-4262585-9425006706, मो. नंबर 9826697203, 9926288166, RNI.No. MPHIN/2020/78949